हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक:21 ■ नई दिल्ली 28 फरवरी से 06 मार्च 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

तमन्ना ने क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी में शामिल...

मप्र में बड़ा हादसा, कोयला खदान धंसने से 3 की मौत

बैतूल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में स्थित वेस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) पाथाखेड़ा क्षेत्र में बड़ा हादसा हो गया। यहां गुरुवार को दोपहर करीब तीन बजे छतरपुर 1 कोयला खदान के मुहाने से करीब 3.5 किलोमीटर अंदर कंट्यूनर माइनर सेक्शन में कर्मचारी काम कर रहे थे। इसी दौरान छत ढह गई। इससे उसमें दबने से तीन कर्मचारियों की मौत हो गई। रात करीब आठ बजे तक बचाव दल ने तीनों के शव बाहर निकाल लिए हैं।

एसडीएम अभिजीत सिंह ने बताया कि बताया कि हादसे में असिस्टेंट मैनेजर गोविंद कोसरिया (उम्र 37 वर्ष), माइनिंग सरदार रामप्रसाद चौहान (46 वर्ष) और ओवरमैन रामदेव पंडोले (उम्र 49 वर्ष) की मृत्यु हुई है। उन्होंने बताया कि अधिकारी और वर्कर खदान में निरीक्षण के लिए उतरे थे। उस समय वहां 25 से 26 लोग मौजूद थे। लेकिन वे अलग-अलग सेक्शन में थे। जिस सेक्शन में हादसा हुआ वह जॉय माइनिंग सर्विस का है। वहां हादसे के दौरान तीनों ही अंदर थे। उनके अलावा अंदर और कोई नहीं फंसा है।

उन्होंने बताया कि हादसा छतरपुर 1 खदान के सीएम सेक्शन में गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे तब हुआ, जब मशीन से कोयला काटा जा रहा था। खदान में करीब 3.5 किमी भीतर अचानक छत धंसक गई, इससे वहां कार्य कर रहे तीनों श्रमिक दब गए। सूचना मिलते ही वेकोलि का बचाव दल और एसडीईआरएएफ, एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंच गई। खदान के मुहाने से करीब 3.5 किलोमीटर की दूरी पर कंटीन्यूअस माइनर सेक्शन में बचाव दल ने पहुंचकर दबे हुए तीनों श्रमिकों को अचेत हालत में बाहर निकाला। उनको तत्काल एम्बुलेंस से वेकोलि अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हादसे की जानकारी मिलते कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी, पुलिस अधीक्षक निश्चल झरिया, विधायक योगेश पंडाग्रे भी मौके पर पहुंच गए थे। विधायक और कलेक्टर सूर्यवंशी ने जीएम वेस्टर्न कोल्ड लिमिटेड को लाइफ कवर स्कीम डेढ़ लाख रुपये की सहायता तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

गंगा सफाई गारंटी पर अपना वादा भूल गये मोदी: खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 11 साल पहले मां गंगा की सफाई के लिए नमामि गंगा योजना शुरू कर वादा किया था कि वह गंगा को निर्मल बना देंगे लेकिन सच यह है कि इस अभियान के लिए आवंटित आधी राशि खर्च ही नहीं हुई और जो पैसा खर्च हुआ उससे गंगा साफ नहीं हुई।

श्री खरगे ने प्रधानमंत्री की गंगा के उद्गम स्थल गंगोत्री की यात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा, मोदी जी ने कहा था कि उनको ह्यमाँ गंगा ने बुलाया है पर सच ये है कि उन्होंने गंगा सफाई की अपनी गारंटी को भुलाया है। करीब 11 वर्ष पहले, 2014 में, नमामि गंगे योजना शुरू की गई थी। योजना में मार्च 2026 तक 42,500 करोड़ रुपए की राशि इस्तेमाल की जानी थी, पर संसद में गंगा से संबंधित सवालों के जवाब से पता चलता है कि दिसंबर 2024 तक केवल 19,271 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। यानी मोदी सरकार ने नमामि गंगे योजना के लिए आवंटित 55 प्रतिशत राशि खर्च ही नहीं की। आखिर माँ गंगा के प्रति इतनी गहरी उदासीनता क्यों। उन्होंने कहा, मोदी जी ने 2015 में हमारे एनआरआई साथियों से स्वच्छ गंगा निधि में योगदान देने का आग्रह किया था और मार्च 2024 तक इस फंड में 876 करोड़ रुपए दान दिए गए लेकिन इसका 56.7 प्रतिशत अब तक इस्तेमाल नहीं हुआ है। इस फंड का 53 प्रतिशत सरकारी उपक्रमों से दान लिया गया है। नवंबर 2024 में राज्यसभा में सरकार ने बताया कि नमामि गंगे के 38 प्रतिशत प्रोजेक्ट्स अभी लंबित हैं। सीवेज ट्रीटमेंट संयंत्र बनाने के लिए कुल आवंटित फंड का 82 प्रतिशत खर्च किया जाना था, पर 39 प्रतिशत संयंत्र अभी भी पूरे नहीं हुए हैं, और जो पूरे हुए हैं वो चालू ही नहीं हैं। उत्तर प्रदेश -75 प्रतिशत नाले जिन्हें संयंत्र में जाना था, उसका प्रदूषित पानी, सीधे गंगा जी में जा रहा है, इनमें 3513.16 एमएलडी सीवेज डाला जा रहा है।

नवंबर 2024 तक इनमें 97 प्रतिशत संयंत्रों में नियमों का पालन नहीं हुआ है। बिहार में 46 प्रतिशत संयंत्र चालू नहीं हैं बाकी मानक पर खरे नहीं उतरते हैं। पश्चिम बंगाल में 40 संयंत्र काम नहीं कर रहे हैं; और 95 प्रतिशत एनजीटी के मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, नवंबर 2024 में राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण-एनजीटी ने मोदी जी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में गंगा की सफाई बनाए रखने में प्रशासन की विफलता पर कड़ी नाराजगी जताई थी। कड़ी फटकार लगाते हुए ट्रिब्यूनल ने यहां तक सुझाव दिया कि नदी के किनारे एक बोर्ड लगाया जाए, जिसमें लिखा हो कि शहर में गंगा का पानी नहाने के लिए सुरक्षित नहीं है।

ट्रम्प की हमास को चेतावनी-बंधक रिहा करो वर्ना मारे जाओगे

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हमास को चेतावनी दी है कि सभी बंधकों को अभी रिहा करें, बाद में नहीं। जिन लोगों की आपने हत्या की है, उनके शवों को तुरंत लौटाएं, नहीं तो आपका काम खत्म हो जाएगा। केवल बीमार और विकृत लोग ही शवों को रखते हैं। आप बीमार और विकृत हैं। व्हाइट हाउस ने बुधवार देर रात कहा कि गाजा बंधकों के मुद्दे पर अमेरिका और हमास के बीच कतर की राजधानी दोहा में सीधी बातचीत हुई। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा था कि चर्चा से पहले

इजराइल से भी बात की गई थी। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने इस वार्ता की जानकारी दी। इजराइली अधिकारियों का कहना है कि गाजा में अभी भी करीब 24 जीवित बंधक हैं। इनमें एक अमेरिकी नागरिक एडन अलेक्जेंडर भी शामिल हैं। इनके अलावा कम से कम 35 अन्य लोगों भी शामिल हैं। इस चर्चा की खबर सबसे पहले मीडिया हाउस एक्सियोस ने दी थी। इसमें कहा गया कि दोनों पक्ष अमेरिकी बंधकों की रिहाई के साथ-साथ युद्ध खत्म करने के लिए एक व्यापक समझौते पर चर्चा कर रहे थे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव लेविट ने कहा कि बंधकों के लिए विशेष दूत एडम बोहलर का काम अमेरिकी लोगों के लिए सही काम करने का एक अच्छा प्रयास था।

औरंगजेब का महिमा मंडन करने वाले अबु आजमी जाएंगे जेल

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अबु आजमी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने विधान परिषद में कहा कि समाजवादी पार्टी के विधायक अबु आसिम आजमी को सौ फीसदी जेल में डाला जाएगा। सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कहा कि औरंगजेब की प्रशंसा मराठा राजा छत्रपति शिवाजी महाराज और उनके योद्धा-पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज का अपमान है। अबु आजमी को मुगल शासक औरंगजेब की प्रशंसा करने पर महाराष्ट्र विधानसभा से निलंबित किया गया है। बजट सत्र के समाप्त होने तक विधानसभा

से निलंबित किए गए आजमी ने कार्रवाई का विरोध किया। उन्होंने कहा कि उन्हें विवादास्पद टिप्पणी वापस लेने के बावजूद दंडित किया गया है। बजट सत्र 26 मार्च को समाप्त होगा। विधान परिषद में विपक्ष के नेता और उद्धव ठाकरे शिवसेना के सदस्य अंबादास दानवे ने फडणवीस से पूछा कि आजमी को उनकी टिप्पणी के लिए जेल क्यों नहीं भेजा गया। इस पर देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि मुंबई के मानखुर्द-शिवाजी नगर से विधायक आजमी को शत प्रतिशत जेल में डाला जाएगा। शिवसेना के अध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य उद्धव ठाकरे ने कहा कि किसी को भी राष्ट्रीय नायकों के खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं करनी चाहिए। यह सरकार की जिम्मेदारी है कि सख्त कार्रवाई की जाए।

सुधार के लिए कमेटी गठित

बदलेगी रक्षा खरीद नीति

कई बार ये प्रोसेस 15 से 20 साल तक खिंच जाती है, इसका असर टेक्नोलॉजी पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के सैन्य बलों का आधुनिकीकरण तेज करने के लिए रक्षा खरीद नीति में बड़े बदलाव की तैयारी है। अब से सैन्य सामान की खरीद फास्ट ट्रैक की जाएगी। रक्षा खरीद नीति में सुधार के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कमेटी का गठन किया है। अभी हथियार व सैन्य प्लेटफॉर्म की खरीद में 8 चरण होते हैं। सबसे पहले आकलन करते हैं कि हथियार बाहर से क्यों खरीदना है। फिर खरीद के लिए सूचना आमंत्रित करना, प्रस्ताव मंगाना, टेक्निकल ट्रायल, फील्ड ट्रायल, कॉमर्शियल दावे मंगाना, सबसे कम दाम वाला वेंडर चुनना जैसी प्रक्रियाएं हैं। इस पूरे काम में कम से कम 8 साल लग जाते हैं। कमेटी देखेगी कि यह प्रक्रिया एक-दो साल में कैसे पूरी हो सकती है। डीपीपी में परिवर्तन की मांग इसलिए जोर पकड़ रही है, क्योंकि सेना, नौसेना और वायु सेना को समय पर साजो-सामान नहीं मिल रहे। खरीद प्रक्रिया कई बार 15 से 20 साल तक खिंच जाती है। जो सामान खरीदने की

प्रक्रिया आज शुरू हुई है, 10 साल में उसकी टेक्नोलॉजी पुरानी पड़ जाती है। इस साल सैन्य खरीद के लिए तीनों सेनाओं का बजट करीब एक लाख 80 हजार करोड़ रु. है। 5 साल में करीब 9 लाख करोड़ रु. का सामान खरीदना है। कमेटी तय करेगी कि कितना बजट स्वदेशी हथियारों के लिए रखें। डीपीपी में आखिरी बदलाव 5 साल पहले हुए थे। उसके बाद भी कई प्रोजेक्ट लटके हैं। मेक इन इंडिया पर नीति भी नए सिरे से तय की जाएगी। रक्षा मंत्रालय ने साल 2024 में पांच सैन्य सौदों पर दस्तखत किए थे। नौसेना और वायुसेना के लिए ब्रह्मोस मिसाइल, रडार समेत 39 हजार 125 करोड़ के हथियार और उपकरण खरीदे जाने हैं। पांच में से एक रक्षा सौदा मिग-29 विमानों के एयरो इंजन की खरीद के लिए हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड के साथ किया गया था। क्लोज-इन हथियार प्रणाली और अत्याधुनिक रडार की खरीद के लिए लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड से दो करार हुए थे। इसके अलावा, ब्रह्मोस मिसाइलों की खरीद फाइनल की गई थी।

खालिस्तान समर्थकों ने लंदन में घेरी जयशंकर की कार

तिरंगा लेकर विदेश मंत्री के सामने पहुंचे और उसे फाड़ दिया

अमृतसर (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर की गाड़ी को लंदन में खालिस्तानी समर्थकों ने घेर लिया। उनमें से एक ने उनकी गाड़ी के सामने आकर तिरंगा भी फाड़ा। विदेश मंत्री इस समय लंदन में हैं। उन्होंने यहां चैथम हाउस थिंक टैंक के एक विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम के खत्म होने के बाद जैसे ही वे अपनी कार की तरफ बढ़े। वहां पहले से विरोध कर रहे खालिस्तान समर्थकों ने उन्हें

देखकर नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद एक शख्स तिरंगा लेकर उनकी कार के आगे खड़ा हो गया और रास्ता रोक लिया। इस दौरान उसने भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फाड़ने जैसी शर्मनाक हरकत भी की। खालिस्तान समर्थक की तिरंगा फाड़ने की हरकत को देखते ही सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ लिया और गाड़ी से दूर ले गए। ये पूरी घटना विदेश मंत्री की सुरक्षा में चूक के तौर पर देखी जा रही है। जब जयशंकर चैथम हाउस में पहुंचे थे, उससे पहले ही खालिस्तानी समर्थक वहां मौजूद थे और सड़क के दूसरी तरफ खालिस्तानी झंडे लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसके बावजूद जयशंकर के बाहर आते समय सुरक्षा घेरा नहीं बढ़ाया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना से भारतीय समुदाय में आक्रोश है।

लगता है मां गंगा ने मुझे अब गोद ले लिया है

- उत्तराखंड में बोले पीएम मोदी, मुखवा में की मां गंगा की पूजा-अर्चना
- लोगों से की अपील-कॉर्पोरेट मीटिंग-डेस्टिनेशन वेडिंग देवभूमि में करें

देहरादून (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तराखंड के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देवभूमि आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत प्रोत है। उन्होंने कहा कि मैंने काशी में कहा था की मां गंगा ने बुलाया है लेकिन अब मुझे लगता है कि मां गंगा ने मुझे अब गोद ले लिया है। इसके अलावा पीएम मोदी ने अपील की कि कॉर्पोरेट मीटिंग और डेस्टिनेशन वेडिंग देवभूमि में करें। पीएम मोदी ने कहा, मां गंगा की कृपा से ही मुझे दशकों तक उत्तराखंड की सेवा का सौभाग्य मिला है। मैं मानता हूं कि उन्हीं के आशीर्वाद से मैं काशी तक पहुंचा और अब सांसद के रूप में काशी की सेवा कर रहा हूं। इसीलिए मैंने काशी में कहा भी था कि मुझे मां गंगा ने बुलाया है। कुछ महीने पहले मुझे ये भी अनुभूति हुई कि जैसे मां गंगा ने मुझे अब गोद ले

लिया है। ये मां गंगा की ही दुलार है, अपने इस बच्चे के प्रति उनका स्नेह है कि आज मैं उनके मायके मुखवा गांव आया हूं। उत्तराखंड की ये देवभूमि आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत है। चारधाम और अनंत तीर्थों का आशीर्वाद इसे प्राप्त है। जीवनदायिनी मां गंगा के इस शीतकालीन गद्दी स्थल पर आज एक बार फिर आकर, आप सब परिवारजनों से मिलकर मैं धन्य हो गया हूं। पीएम मोदी ने टूरिज्म का जिक्र करते हुए कहा, हमारा प्रयास है कि उत्तराखंड के बॉर्डर वाले इलाकों को भी पर्यटन का विशेष लाभ मिले। पहले सीमावर्ती गांवों को आखिरी गांव कहा जाता था। लेकिन यह बदल गया है।

भारत के खिलाफ पाकिस्तान ने रची बड़ी साजिश

बलूचिस्तान में चीन को दे दी 5 हजार एकड़ जमीन! सेना और नौसेना बेस बनाएगा ड्रैगन

इस्लामाबाद (एजेंसी)। क्या पाकिस्तान ने चीन को नौसेना बेस और हवाई अड्डा बनाने के लिए 5 हजार एकड़ जमीन दे दिए हैं। ये दावा किया है पाकिस्तान के पूर्व सैन्य अधिकारी आदिल रजा ने।

उन्होंने पाकिस्तानी खुफिया समुदाय के सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि दक्षिणी बलूचिस्तान में चीनी नौसेना और हवाई अड्डे की स्थापना के लिए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी को 5,000 एकड़ से ज्यादा अनुमानित जमीन आवंटित किया गया है। ये काफी सनसनीखेज खुलासा है क्योंकि इससे सीधे भारत के ऊपर बड़ा खतरा बनता है। चीन पहले से ही ग्वादर में

एक बंदरगाह बना चुका है, जो भारत की सुरक्षा के लिहाज से खतरनाक है। लेकिन अगर वाकई पाकिस्तान ने चीन को जमीन दिया है, तो इसका मतलब है कि नया नौसैनिक बंदरगाह भारत को ध्यान में रखकर ही बनाया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक जिस जगह पाकिस्तान ने चीन को 5 हजार एकड़ जमीन दी है, वो जगह ग्वादर से करीब 65 से 70 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम दूर तुर्बत के पास स्थित है। आदिल रजा ने खुलासा किया है कि करीब सात साल पहले चीनी राज्य टेलीविजन ने बलूचिस्तान के जिवानी क्षेत्र में इसी तरह के डेवलपमेंट पर पाकिस्तान के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने की जानकारी दी थी। ग्वादर में चीन द्वारा निर्मित और नियंत्रित एक मौजूदा गहरे समुद्र के बंदरगाह और हवाई अड्डे के साथ, यह डेवलपमेंट दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण चोकपॉइंट्स में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य पर चीन को महत्वपूर्ण कंट्रोल देगा।

बयानबाजी | **अब राजीव गांधी की पढ़ाई पर बीजेपी को थमा दिया है हथियार**

कमाल के मणिशंकर भी, बोले- पता था विवाद होगा

कहा-20 साल से गाइड को तैयार, लेकिन राहुल को जरूरत नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पता था कि विवाद होगा, फिर भी बोले! कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने राजीव गांधी के शैक्षणिक कौशल पर सवाल उठाया और विवाद हुआ तो कह रहे हैं- ये तो पता ही था। वो इस बात से खुश हैं कि कांग्रेस पार्टी ने उनके बयान से पल्ला झाड़ लिया है और कहा है कि इससे पार्टी का कोई लेनादेना नहीं है। मणिशंकर बोले, राहत है की बात है कि कांग्रेस नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि उनके विचार पार्टी के रुख को नहीं दर्शाते। अय्यर की टिप्पणियों ने अक्सर कांग्रेस को असहज स्थिति में डाला है और बीजेपी को मुख्य विपक्षी दल पर निशाना साधने का मौका दिया है। इस बारे में बोलते हुए अय्यर ने कहा, मुझे पता है कि मैंने आपसे जो कुछ भी कहा, उसे बीजेपी

तोड़-मरोड़ कर पेश करेगी। वे ऐसा कर सकते हैं, और मुझे राहत है कि (कांग्रेस संचार प्रमुख) पवन खेड़ा ने मुझे पहले ही प्रमाण पत्र दे दिया है कि मैं किसी भी तरह से कांग्रेस का प्रतिनिधित्व नहीं करता। आप वो सब दिखाएं जो मैंने आपसे कहा है। अगर कोई इसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना चाहता है, तो करने दें। गांधी परिवार के साथ अपने संबंधों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा,दोस्ती बनी हुई है। वे मुझे दुश्मन नहीं समझते लेकिन राहुल (गांधी) सोचते हैं कि मैं बहुत बूढ़ा हो गया हूं। और मुझे इस पर आपत्ति है। मैं बुड्ढा नहीं हूं। आप कोई और कारण ढूंढ़िए कि आप मुझे पार्टी में क्यों नहीं चाहते और मुझसे सलाह क्यों नहीं लेना चाहते। 83 वर्षीय नेता से यह भी पूछा गया कि क्या वह राहुल गांधी को मार्गदर्शन देने और कांग्रेस को पुनर्जीवित करने में मदद करने के लिए तैयार हैं

20 साल से राहुल को गाइड करना चाह रहे हैं अय्यर!- इस पर अय्यर ने कहा, मैं 20 साल से उन्हें मार्गदर्शन देने के लिए तैयार हूं, वो लेना ही नहीं चाहते। वो मुझे नापसंद करते हैं। बताइए, मैं कौन होता हूं उन पर अपनी राय थोपने वाला। अय्यर ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कुछ लोग राहुल के पास उनकी शिकायत लेकर जाएंगे और इससे वह उनकी बातों पर ध्यान देंगे। राहुल से व्यक्तिगत रूप से क्यों नहीं मिलते और गलतफहमियों को दूर क्यों नहीं करते अय्यर ने कहा, वो नहीं मिलेंगे।

कहा था-राजीव 2 बार फेल होने के बावजूद पीएम बने

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने एक फिर विवादित बयान दिया है। इस बार उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की शिक्षा पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, आश्चर्य है इतने कमजोर एजुकेशन रिकॉर्ड वाले व्यक्ति को प्रधानमंत्री कैसे बनाया गया। भाजपा नेता अमित मालवीय ने बुधवार को अपने एक्स हैंडल पर अय्यर का इंटरव्यू वाला वीडियो शेयर किया।

इसमें वे कह रहे हैं, जब राजीव प्रधानमंत्री बने तब मैंने सोचा ये एयरलाइन पायलट है। दो बार फेल हो चुका है, ऐसा व्यक्ति प्रधानमंत्री कैसे बन सकता है।

मध्य प्रदेश: झबुआ में जयस संगठन के पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

साबिर मोहम्मद मंसूरी

मध्य प्रदेश: झबुआ जिले के जयस संगठन के पदाधिकारियों ने आज महामहिम के नाम सौंपा ज्ञापन। 37 लाख से अधिक वनों को उजाड़ा जा रहा है। जयस संगठन का बड़ा आरोपः संविधान की उड़ाई जा रही हैं धज्जियां।

आज जयस ने महामहिम राज्यपाल महोदय के नाम ज्ञापन दिया 37 लाख हेक्टेयर उजाड़ वन, बंजर वन निजी क्षेत्र को सौंपने को निरस्त करवाने को लेकर झाबुआ कलेक्टर द्वारा झाबुआ तहसीलदार सुनील डावर को ज्ञापन दिया। ब्रिटिश हुकूमत ने 1862 में वन विभाग की स्थापना की, 1864 में पहला वन कानून, 1878 में दूसरा वन कानून एवं 1927 में तीसरा वन कानून लागू किया। जयस पूरी जिम्मेदारी के साथ आपको बता रहा है कि भारतीय संविधान के बीते 75 वर्षीय सफर में वन विभाग ने आदिवासी समुदाय पर ऐतिहासिक अन्याय किए हैं, प्रजातांत्रिक व्यवस्था द्वारा बनाए गए संविधान, कानून एवं संशोधनों को चुनौतियां दी हैं और इसे हर कालखंड में समर्थन भी मिला है। भारतीय न्याय व्यवस्था की भूमिका भी वन, वनभूमि, पर्यावरण संरक्षण, वन्य प्राणी संरक्षण एवं जैव विविधता के संरक्षण का नाम लेकर जंगलों पर आश्रित समुदाय से उसके अधिकार छीने जाने, उस पर अन्याय कर रही सरकार।

हम इस पूरे विषय पर संक्षिप्त और प्रमाणित जानकारी बता रहे हैं। संविधान की 5वीं अनुसूची में आपको अधिकार दिए गए हैं, महामहिम राज्यपाल को अधिकार

दिए गए हैं, हम उन अधिकारों के अनुसार जवाबदेही एवं जिम्मेदारी आपको याद दिलवा रहे हैं। 37 लाख हेक्टेयर बंजर एवं उजाड़ वन भूमि। मध्य प्रदेश शासन वन विभाग के अधिकारी अपनी दादागिरी इस तरह कर रहे हैं कि वह राज्य के हितों की पूर्ण अनदेखी कर रहे हैं। असीम श्री वास्तव जी, प्रधान मुख्य वन संरक्षण वन बल प्रमुख ने सार्वजनिक रूप से 37 लाख हेक्टेयर उजाड़ वन एवं बंजर वन राज्य में होना बताकर उसे निजी क्षेत्र को लीज पर दिए जाने की योजना सार्वजनिक की है, जिसे दुर्भाग्य से हमारे निर्वाचित जनप्रतिनिधि परीक्षण करने और करवाने की बजाय उपलब्धि बताकर उद्योगपतियों के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे हैं।

हम वैधानिक सवाल सामने रख रहे हैं, वैधानिकता के दायरे में जानकारी का परीक्षण करने, मूल्यांकन करने एवं सत्यापन करने का अनुरोध कर रहे हैं।

1. मध्य प्रदेश वन विभाग वर्तमान में कितनी आरक्षित वन भूमि, कितनी संरक्षित वन भूमि एवं कितनी असीमांकित वन भूमि राज्य में होना प्रतिवेदित कर रहा है?

2. इस प्रतिवेदित भूमि में से कितनी भूमि भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 20 के अनुसार राजपत्र में आरक्षित वन अधिसूचित भूमि है, कितनी भूमि राजपत्र में धारा 20 के अनुसार आरक्षित वन अधिसूचित किए बिना ही आरक्षित वन दर्ज की जा रही है?

3. इस प्रतिवेदित भूमि में से कितनी भूमि धारा 29 के अनुसार संरक्षित वन भूमि है, कितनी भूमि को धारा 29 के तहत संरक्षित वन अधिसूचित किए बिना ही संरक्षित वन दर्ज एवं प्रतिवेदित किया जा रहा है?

4. इस प्रतिवेदित भूमि में से कितनी भूमि किस धारा के अनुसार असीमांकित वन भूमि कब-कब अधिसूचित की गई है, असीमांकित वन भूमि की किस कानून, नियम, मैनुअल या कोड में क्या परिभाषा दी गई है?

5. इस प्रतिवेदित भूमि में से कितनी भूमि को धारा 4 में अधिसूचित वनखण्ड में शामिल किए जाने के कारण निजी भूमि होने, गैर संरक्षित वन भूमि होने, अहस्तानान्तरित भूमि होने के बाद भी संरक्षित वन दर्ज एवं प्रतिवेदित किया जा रहा है?

6. इस प्रतिवेदित भूमि में से कितनी भूमि को भारतीय वन अधिनियम 1927 संशोधन 1965 धारा 20अ के अनुसार आरक्षित वन या संरक्षित वन किस दिनांक को आदेशित किया या अधिसूचित किया गया है?

7. वन मुख्यालय के द्वारा प्रतिवेदित भूमियों में से कितनी भूमि वर्किंग प्लान में दर्ज है, इन वर्किंग प्लान में दर्ज कितनी-कितनी किस-किस श्रेणी की भूमियों पर वास्तविक रूप से वन विभाग काबिज है, कितनी भूमि किन कारणों से वन विभाग के कब्जे में नहीं है?

8. वन मुख्यालय द्वारा प्रतिवेदित संरक्षित वन भूमि में से एवं आरक्षित वन भूमि में से कितनी-कितनी भूमि वन विभाग ने गैर वानिकी कार्यों के लिए 1980 तक आवंटित की, अन्तरित की गई, कब्जा सौंपा गया लेकिन उसकी कोई प्रविष्टी वर्किंग प्लान, एरिया रजिस्टर, वनकक्ष इतिहास एवं वनकक्ष मानचित्र में दर्ज ही नहीं की गई है?

9. वन मुख्यालय द्वारा प्रतिवेदित कितनी आरक्षित वन भूमि एवं कितनी संरक्षित वन भूमि राजपत्र में भा.व.अ.1927 की धारा 27 एवं धारा 34अ के अनुसार 1980 के पहले और 1980 के बाद डीनोटीफाईड की गई और उसकी प्रविष्टी वन विभाग वर्किंग प्लान, एरिया रजिस्टर, वनकक्ष इतिहास एवं वनकक्ष मानचित्र में दर्ज करना ही भूल गया?

10. वन मुख्यालय द्वारा प्रतिवेदित वन भूमि, नियंत्रित वन भूमि को लेकर उपरोक्त किसी भी विषय पर वनमंडल, वनवृत, वर्किंग प्लान वनवृत प्रमाणित जानकारी दस्तावेजों के साथ उपलब्ध करवाने में हर स्तर पर हर तरह से असफल रहा है।

अधिकारों की गारंटी लेकिन मान्यता का अभाव। मध्य प्रदेश वन विभाग ने 37 लाख हेक्टेयर उजाड़ वन एवं बंजर वन बताया। वन विभाग किन जमीनों को उजाड़ वन मानता है, बंजर वन मानता है और इस संबंध में किस कानून या किस नियम या किस मैनुअल, या किस कोड या किस न्यायालीन आदेश में क्या व्याख्या की गई है, परिभाषा की गई है, या प्रावधान किए गए हैं, यह आज तक किसी भी तरह से स्पष्ट नहीं किया गया। मध्य प्रदेश वन विभाग ने संसाधनों पर समाज को अधिकारों की गारंटी दी है, जिनसे संबंधित मान्यता दिए जाने की कार्यवाही जनवरी 2008 से लागू वन अधिकार कानून 2006 के अनुसार प्रारंभ की गई, लेकिन वन विभाग समाज के अधिकारों की संवैधानिक एवं वैधानिक गारंटी को अभी तक मान्यता दिए जाने के लिए तैयार नहीं हुआ।

एक नजर

गुजरात: प्रतिदिन 10 मिनट पैदल चलने से आपका जीवन 7% बढ़ सकता है

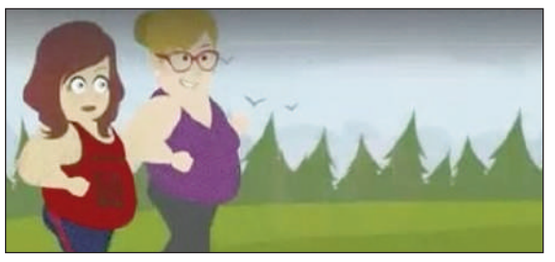

राजपूत रणजीत/गुजरात: मेडिकल जर्नल खअटअ इंटरनेशनल में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, दिन में सिर्फ 10 मिनट पैदल चलने से जीवन प्रत्याशा कई वर्षों तक बढ़ सकती है। इस अध्ययन में पाया गया कि अगर कोई व्यक्ति दिन में सिर्फ 10 मिनट तक तेज चाल से चलता है, तो समय से पहले मौत का खतरा 7% तक कम हो सकता है। यदि पैदल चलने का समय बढ़ाकर 20 मिनट कर दिया जाए, तो असामयिक मृत्यु का जोखिम 13% तक कम किया जा सकता है। अगर इसे 30 मिनट तक बढ़ा दिया जाए, तो समय से पहले मौत का खतरा 17% तक कम किया जा सकता है। इसका मतलब यह है कि तेज चलने से समय से पहले मौत का खतरा कम हो जाता है।

गुजरात: राजकोट में रघुवंशी समाज के युवा हुए गिरफ्तार, स्वामी के पुतले को मारी थी लात

राजपूत रणजीत/गुजरात: ज्ञानप्रकाश स्वामी ने वीरपुर आकर माफी मांगी। राजकोट में रघुवंशी समाज के युवाओं ने स्वामी के पुतले को लात मारने की कोशिश की, 2 महिलाओं समेत 10 हिरासत में लिए गए। स्वामीनारायण संप्रदाय के स्वामी ज्ञानप्रकाश द्वारा जलाराम बापा को लेकर की गई विवादित टिप्पणी को लेकर लोहाना समाज में काफी गुस्सा देखा जा रहा है। कल (5 मार्च) वीरपुर बंद के बाद आज (6 मार्च) लोहाना समुदाय के युवा राजकोट के भूपेन्द्र रोड पर वडताल ताबा के स्वामीनारायण मंदिर पर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे और स्वामी ज्ञानप्रकाश का पुतला जलाया। हालांकि पुलिस ने पहुंचते ही पुतला जलाकर प्रदर्शन कर रहे युवाओं को हिरासत में ले लिया।

गुजरात: तापी के सोनगढ़ से सांडकुवा जाने वाला रास्ता बना एक्सीडेंट जोन

गामित शैलेशभाई चंदूभाई/गुजरात: गुजरात के तापी ज़िले के सोनगढ़ तहसील में सोनगढ़ से सांडकुवा जाने वाला रास्ता बना एक्सीडेंट जोन। यह रास्ते से दस गाँव से ज्यादा लोग चलकर हर रोज अपनी आजीविका के लिए निकलते हैं और लोगों को भय लगता है कहीं रास्ते में गिर न जाएं। दो महीने पहले ही जामनकूवा गाँव में रास्ते में बने बड़े-बड़े खड्डों के चलते बाइक चालक लड़के की मौत हो गई थी, फिर भी तंत्र आँखों पर पट्टी बांधकर तमाशा देख रहा है ऐसा प्रतीत होता है और आपको बता दें कि यह रास्ता हाल ही में दो साल पहले बना है और मेंटेनेंस वारंटी अभी चल रही होगी, लेकिन भ्रष्टाचार की चादर अड़े सब सो रहे हैं और देख रहे हैं अगला अकस्मात कब बने।

उत्तर प्रदेश: सोनभद्र व मिजार्पुर पुलिस अधीक्षक ने 172 ग्राम चौकीदारों को दिया साइकिल

इंद्रेश कुमार पांडे/उत्तर प्रदेश: सोनभद्र पुलिस लाइन कर में ग्राम चौकीदारों के सम्मान हेतु समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में आरपी सिंह, पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल परिक्षेत्र मिजार्पुर, व अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा ग्राम चौकीदारों को कर्तव्य पालन हेतु जिला के समस्त थाना क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में कार्यरत 172 चौकीदारों को साइकिल का वितरण किया गया।

पुलिस महानिरीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि चौकीदार हमारे पुलिस विभाग की सबसे प्रथम कड़ी है। साइकिल पाकर चौकीदारों द्वारा पुलिस महानिरीक्षक विंध्याचल व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को हृदय से धन्यवाद दिया गया, जिससे चौकीदारों के माध्यम से जनपदीय पुलिस को तत्काल सूचना प्राप्त हो सके और जिले में कानून व्यवस्था व शांति बनी रहे। कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, जनपद के समस्त क्षेत्र अधिकारी गण व निरीक्षक पुलिस लाइन चुर्क में सम्मानित लोग मौजूद रहे।

महाराष्ट्र: क्या परिवहन विभाग भी ब्लैकमेलिंग का दोषी है?

गोहिल प्रमोदकुमार/महाराष्ट्र: दिलचस्प बात यह है कि यह सब तब होता है जब परिवहन विभाग के अधिकारी चेकपोस्ट पर मौजूद होते हैं। ट्रक चालकों ने खुद यह तथ्य सामने रखा है कि जब तक 1,000 रुपए की वसूली नहीं हो जाती, तब तक ट्रकों को महाराष्ट्र से मध्य प्रदेश की सीमा में और मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र की सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा। इस संबंध में कुछ ट्रक चालकों ने इस गैंगस्टर की वसूली को गुप्त रूप से अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया है। वीडियो में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। शिरपूर हाडाखेड बॉर्डर पर यह कहानी चलाई जा रही है। साहब होते हैं तगड़े और चालक इस चक्कर में रगड़ते चले जाते हैं।

हरियाणा: स्पेशल स्टाफ ने चोरी के मोटरसाइकिल सहित दो को किया काबू

महिपाल सिंह

हरियाणा: पुलिस अधीक्षक डबवाली सिद्धान्त जैन आईपीएस के निदेर्शानुसार तथा उप पुलिस अधीक्षक कालांवाली संदीप धनखड़ के कुशल नेतृत्व में क्षेत्र में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने व चोरों की धरपकड़ को लेकर चलाए गए विशेष अभियान के तहत स्पेशल स्टाफ की टीम ने शहर से चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी लवप्रीत उर्फ हीरा पुत्र गुरमेल सिंह व हरमन पुत्र राजा कुमार निवासी पथराला को चोरी की मोटरसाइकिल सहित काबू करने में सफलता हासिल की है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रभारी स्पेशल स्टाफ सब इंस्पेक्टर सुबे सिंह सैनी ने बताया कि वह स्वयं अपनी पुलिस टीम के साथ शहर में बिना नंबर व बिना हेलमेट के मोटरसाइकिल की जांच कर रहे थे। एक मोटरसाइकिल को उन्होंने शक की बिनाह पर रुकवाकर पूछताछ की तो आरोपियों ने बताया कि यह मोटरसाइकिल उनके द्वारा पथराला पंजाब से चोरी की गई थी। पकड़े गए आरोपी लवप्रीत व हरमन को चोरी की मोटरसाइकिल सहित पंजाब पुलिस के हवाले किया गया है।

उत्तर प्रदेश: सहारनपुर में भरत विहार कालोनी में कटे पीपल व केले के पेड़, स्थानीय लोगों में आक्रोश

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेश: सहारनपुर महानगर की भरत विहार कालोनी में स्थित शिव मंदिर में लगभग 30 वर्षों से लोगों की आस्था के केंद्र बने हुए हरे पीपल व केले के वृक्ष को शिव मंदिर के पुजारी श्री प्रवीण वशिष्ठ ने कटवा दिया, जिससे सनातन धर्म श्रद्धालुओं की आस्था व भावनाओं को ठेस पहुंची है। संवाददाता द्वारा स्थानीय लोगों से बात करने पर मालूम हुआ कि भरत विहार कालोनी में स्थित मंदिर में लगभग 30 वर्षों से अधिक पुराना पीपल का एक वृक्ष श्रद्धालुओं की आस्था, पूजा अर्चना का सनातन धर्म प्रेमियों का केंद्र बना हुआ था, सभी लोग बड़ी संख्या व श्रद्धा से पीपल की पूजा अर्चना करते थे।

स्वयं इसी मंदिर के पुजारी पंडित प्रवीण वशिष्ठ गृह आदि

उतारने के लिए लोगों को इसी मंदिर में पीपल की पूजा सेवा करने के लिए बताया करते थे। परन्तु सूत्रों के अनुसार पंडित प्रवीण वशिष्ठ ने अपने निजी स्वार्थ के लिए लोगों के मना करने पर भी मौका पाकर हरे भरे पीपल व केले के वृक्षों को कटवा दिया। जिसके कारण स्थानीय लोगों व श्रद्धालुओं में आक्रोश है, क्योंकि वह महिलाओं के साथ जाति सूचक शब्दों का व बदतमीजी का इस्तेमाल करता है।

इसलिए शांति भंग होने की आशंकाएं बनी हुई हैं। सभी को बोलता है मैं तांत्रिक क्रिया जानता हूं, आपका घर बर्बाद कर दूंगा। मौके पर मौजूद रहे लोगों ने कहा कि पंडित जी द्वारा पीपल का वृक्ष कटवाना पंडित जी को शोभा नहीं देता, सभी सनातनीयों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। एक ओर हमारे विचार सनातन धर्म से जुड़े हुए हैं और दूसरी तरफ हमारे पूजनीय वृक्ष को काट दिया जाए, ये बात अनुचित है। पंडित प्रवीण वशिष्ठ के मार्गदर्शन में ही पीपल के वृक्ष को पूजा जाता था लेकिन अब क्या विकल्प पूर्ण हो चुके हैं। आक्रोशित लोगों ने वन विभाग व प्रशासन से इस संबंध में जानकारी पत्र लिखकर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है। इस मौके पर मुख्य रूप से अजीत सिंह, गौरव शर्मा, अमित कुमार सैनी, राहुल, कविता अग्रवाल, रेनू, राकेश कुमारी, लाखन सिंह सैनी, ठाठ सिंह, बाला देवी, सुषमा गुप्ता, ममता, कमलेश, राहुल राणा, आजाद सिंह, रविंद्र राणा, राजकुमार शर्मा, संजय कुमार सुमन, काफी संख्या में महिलाएं और पुरुष आदि गणमान्य मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश: गर्भवती और धात्री महिलाओं को 10 हजार रुपये की सहायता, आंगनबाड़ी केंद्रों को मजबूत करने की अपील

जुगेश कुमार

उत्तर प्रदेश: जनपद सोनभद्र में गर्भवती और धात्री महिलाओं की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर युवा मंच ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। आंकड़ों के अनुसार, 20% गर्भवती महिलाएं हाई रिस्क श्रेणी में हैं और बड़ी संख्या में महिलाएं एनीमिक (हीमोग्लोबिन कम) पाई जा रही हैं। इस पर युवा मंच ने सरकार से मांग की है कि गर्भवती और धात्री महिलाओं को पोषाहार के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाए और आईसीडीएस (इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेस) के आंगनबाड़ी केंद्रों को कुपोषण दूर करने के लिए मजबूती से चलाया जाए। युवा मंच की जिला संयोजक सविता गोंड ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा कि 2024 से 2025

तक जनपद में 54,249 गर्भवती महिलाओं ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 10,294 महिलाएं उच्च जोखिम वाली श्रेणी में हैं। इसमें सर्वाधिक 2,061 महिलाएं म्योरपुर से हैं। वहीं, 3,594 गर्भवती महिलाओं में हीमोग्लोबिन का स्तर बेहद कम है, जिनमें से 888 महिलाएं म्योरपुर से हैं। सविता गोंड ने पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के बावजूद जिले में यह स्थिति बनी हुई है। उन्होंने बताया कि गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई के कारण महिलाएं पौष्टिक आहार से वंचित हैं, और इसके कारण कुपोषण बढ़ रहा है। युवा मंच ने मांग की है कि सरकार इन महिलाओं को पोषण सहायता देने के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद दे, ताकि वे कुपोषण से मुक्त हो सकें। साथ ही, सविता गोंड ने यह भी कहा कि जनपद के अधिकांश सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति नहीं है। केवल जिला अस्पताल में स्त्री रोग विशेषज्ञ मौजूद हैं, जबकि अन्य सीएचसी पर महिला डॉक्टर या एएनएम द्वारा काम चलाया जा रहा है। युवा मंच ने इस मुद्दे पर भी सरकार से तुरंत कार्रवाई की अपील की है, ताकि सोनभद्र जैसे पिछड़े जिले में स्त्री रोग विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाए।

हरियाणा: डबवाली पुलिस का सख्त रवैय 90 दिन में चालान न भरने वाले 11 वाहनों पर भारी जुमार्ना वसूल

बंसी लाल

हरियाणा: पुलिस महानिदेशक हरियाणा श्री शत्रुजीत कपूर के दिशा-निदेर्शों के तहत डबवाली पुलिस ने 90 दिन से अधिक समय तक चालान न भरने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू की है। पुलिस अधीक्षक डबवाली सिद्धान्त जैन आईपीएस के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस ने एक विशेष अभियान चलाया, जिसमें 11 वाहनों को चेक किया गया और उनसे भारी जुमार्ना वसूल किया गया। प्रभारी यातायात निरीक्षक प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान में 11 ऐसे वाहनों की पहचान की गई, जिनका चालान लंबे समय से बकाया था। दोपहर 2 बजे तक चले इस अभियान में 10 वाहन चालकों से 13,000 रुपये और एक ट्रक चालक से 21,000 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। प्रताप सिंह ने यह भी बताया कि इस अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वाहन चालक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना चालान भरें।

इसके लिए अब ऑनलाइन चालान भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है, और पेटीएम के माध्यम से भी चालान का भुगतान किया जा सकता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे यातायात नियमों का पालन करें, अपनी और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखें, और चालान भरने में कोई देर न करें।

गुजरात: कृषि महाविद्यालय में हुआ किसानों के लिए बड़ा कार्यक्रम

मुकेशभाई दानाभाई परमार

गुजरात: शो की शुरूआत जब वे होने वाले थे, तो उनकी माताओं और उनके गुरुजनों ने उन्हें वे आशीर्वाद और गुण दिए थे जो उन्होंने उन्हें दिए थे।

मैंने आपको इसके साथ आगे बढ़ने के लिए कहा था। उन्होंने कहा कि आज सरदार, कृषिनगर, दांतीवाड़ा, कृषि युषनावशसिती। पूरे देश में। पिछले पांच वर्षों में, इस युवा के 25 से अधिक अलग-अलग रूप रिलीज किए गए हैं।

वे शहर में कृषि को प्रौद्योगिकी के परिष्कार के साथ जोड़कर कृषि को आधुनिकता के साथ जोड़ने के लिए काम करते हैं। मुझे आपको बताना चाहिए था कि आप क्या कर रहे हैं। इस ग्रेजुएशन समारोह में, सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का पुरस्कार डॉ. एन. वी. सोनी को दिया गया, जो सर्वश्रेष्ठ शोध का पुरस्कार है।

डॉ. चेतन देसैन द्वारा सी के पटेलनेजे को सर्वश्रेष्ठ हर्बल मेडिसिन के पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जबकि बागवानी विभाग के डाकिंजल प्रजापशत को सबसे अधिक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। यह कानून कृषि युषावाशसती राज्य के श्री गनीबेन ठाकुर द्वारा पारित किया गया था।

कुलपति, कुल सलाचावश्री डॉ. पी. टी. पटेल, निदेशक, चिकित्सीय अनुसंधान और औषधीय उत्पाद परिषद के सदस्य, भूताप उवायकनेर शन्यामाकश्री, शवदयात्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ उपस्थित थे।

पंजाब: ड्रग्स के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान बिग फिश कार्टेल गिरफ्तार

कुलविंदर सिंह

पंजाब: ड्रग्स के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान, दो प्रमुख तस्करों को धारा 21 सी, 23, 27 ए, 29 ठउ्ढर अधिनियम और 21, 27 ए, द गेट हकीमा, अमृतसर में गिरफ्तार किया गया है। इससे पहले मामले में, अपराध में इस्तेमाल किए गए वाहनों का उत्पादन, जिसमें 3 किलोग्राम हेरोइन और 5 लाख ड्रग मनी शामिल थे, पहले था।

नीचे उल्लिखित अभियुक्त के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे।

आरोपी गिरफ्तार

1. अमोल्क सिंह, बेटा बलदेव सिंह के, गांव ठट्टा, तरन तारन

2. महाराबीर सिंह @goldy, पुत्र अमोलक सिंह, तरन तरन हैं।

अमोलक सिंह अपने बेटे बलदेव सिंह के साथ एक ड्रग कार्टेल खेल रहे थे। उन्हें पहले गिरफ्तार किया गया था और तब से जेल से बाहर कर दिया गया था। वह अभी भी कई वर्षों से सक्रिय और एक भगोड़ा

था। उसके खिलाफ पंजाब के विभिन्न हिस्सों में NDPS के कई मामले हैं।

Bighic फिन फिश कार्टेल गिरफ्तार

ड्रग्स के खिलाफ चल रहे अभियान के दौरान, दो प्रमुख तस्करों को धारा 21 सी, 23, 27 ए, 29 NDPS अधिनियम और 21, 27 ए, द गेट हकीमा, अमृतसर में गिरफ्तार किया गया है।

इससे पहले मामले में, अपराध में इस्तेमाल किए गए वाहनों का उत्पादन, जिसमें 3 किलोग्राम हेरोइन और 5 लाख ड्रग मनी शामिल थे, पहले था।

नीचे उल्लिखित अभियुक्त के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे।

आरोपी गिरफ्तार

1। अमोल्क सिंह, बेटा बलदेव सिंह के, गांव खत्रा, तरन तरन

2। महाराबीर सिंह @goldy, पुत्र अमोलक सिंह, NX˜f, तरन तरन हैं।

अमोलक सिंह अपने बेटे बलदेव सिंह के साथ एक ड्रग कार्टेल खेल रहे थे। उन्हें पहले गिरफ्तार किया गया था और तब से जेल से बाहर कर दिया गया था। वह अभी भी कई वर्षों से सक्रिय और एक भगोड़ा था। उसके खिलाफ पंजाब के विभिन्न हिस्सों में ठउ्ढर के कई मामले हैं।

वसूली

* अ. 30 पिस्तौल दो पत्रिका 15 जीवित कारतूस के साथ

* एक .306 सिंगल बैरल स्प्रिंगफील्ड राइफल पांच जिंदा कारतूस के साथ

* एक लाख ड्रग मनी

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उसके पास एक नकली गोला बारूद लाइसेंस है।

मामले की गहराई में जांच और अधिक वसूली की उम्मीद है।

अमोलक सिंह के खिलाफ पंजीकृत मामला

1) एफआईआर # 4-01-2 अंडर 19-01-2ङ 18/21 ठउ्ढर एक्ट पीएस लॉक, केपीटी

2) एफआईआर नंबर 27-02-2007 के तहत 28-02-2007 21/22 ठउ्ढर अधिनियम पीएस बी डिव, एएसआर

3) एफआईआर नंबर 108 18-03-2013 के तहत, बी, सी। आईपीसी पीएस साहनेवाल, एलडीएच

4) एफआईआर नंबर 44 दिनांक 411/489/414 आईपीसी 03-04-2013 के तहत पी.एस. सरहाली, टीटी

5) एफआईआर नंबर 155 ठउ्ढर अधिनियम पीएस 155 ठउ्ढर अधिनियम के तहत। सरहाली, टीटी

6) एफआईआर नंबर 301/414/489 ई., बी, सी आईपीसी पीएस बार, एफआईआर के तहत

7) एफआईआर नंबर 173 दिनांक संख्या 173-2014 के तहत 21/25/29 ठउ्ढर एक्ट पीएस सिटी मैलआउट, एमकेटी

8) $ 109/2003 के तहत, 307, 353, 332, 18 क्ढउ 25, 27 गधे अधिनियम ढ२.रैंल्ल६'

9) 12/25/29 के तहत ठउ्ढर अधिनियम पीएसओसी अमृतसर एफआईआर नंबर 11/2014 के तहत।

10) एफआईआर नंबर 26/11/2015 के तहत 21 ठउ्ढर अधिनियम 25 के तहत 26/11/2015 21 ठउ्ढर अधिनियम 25 असला अधिनियम पुलिस थाना सिटी जगराउ में दर्ज हैं।

एक नजर

पंजाब: पंडोरी गोला सिंह गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की छत गिरने से मौत

कुलविंदर सिंह/पंजाब: तरन तारन के पास पंडोरी गोला सिंह गांव में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की छत गिरने से मौत हो गई। तारन तरन का निकटतम गाँव पंडोरी गोला है। कल रात एक घर की छत गिरने से पांच परिवार के सदस्यों की मौत हुई। घटना के आसपास के लोग सुबह 7 बजे के समय जब मृत व्यक्ति के घर पहुँचे, तो कोई भी निकास नहीं था। यह छत को खाकर और देर रात तक घर में गिर गई और कमरे में गिर गई। गुरिंदर सिंह, नीचे दफन हो गए। बुद्धिता अमरजीत कौर (45), राजबीर कौर (15), और लड़कों, गुरलाल सिंह (16) और गुरबाज सिंह (12) की मृत्यु हो गई। मृतक व्यक्ति के रिश्तेदार गुलजार सिंह ने कहा कि गुरिंदर सिंह काम कर रहे थे और उनके परिवार का पालन-पोषण करते थे। राजबीर कौर और बच्चों को गांव वालों ने कड़ी मेहनत करके छत के मलबे के नीचे से निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी, सभी सदस्यों की मौत हो गई थी। उनकी लड़की सरकारी स्कूल में दसवीं क्लास की छात्रा थी। इस घटना से गांव में शोक की लहर गई।

हरियाणा: डबवाली पुलिस ने यातायात नियमों का पालन न करने पर 70 वाहन चालकों का किया चालान

महिपाल सिंह/हरियाणा: पुलिस अधीक्षक डबवाली सिद्धान्त जैन के निदेर्शानुसार ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट, लाइन चेंज, रॉन्ग पार्किंग, सीट बेल्ट, बिना नम्बर प्लेट, बिना पैटर्न नम्बर प्लेट, तेज गति से वाहन चलाने वालों तथा अन्य यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले 70 वाहन चालकों के चालान किए गए।

इस संबंध में पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डबवाली के आदेशानुसार चालकों द्वारा मोटर वाहन अधिनियम का पालन न करने वाले 70 वाहनों को ट्रिपल राइडिंग, बिना हेलमेट, लाइन चेंज, रॉन्ग पार्किंग, सीट बेल्ट, बिना नम्बर प्लेट, बिना पैटर्न नम्बर प्लेट के लिए चालान किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि भविष्य में किसी भी वाहन चालक को नियमों का पालन न करने पर सख्ती से निपटा जाएगा और मोटर वाहन अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा: जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईन के साथ कर्मचारियों ने की बैठक, कई मांगों को पूरा करवाने पर बनी सहमति

महिपाल सिंह/हरियाणा: पब्लिक हेल्थ कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ शाखा सिरसा के जिला कार्यकारिणी पदाधिकारियों की मीटिंग आयोजित की गई। बैठक कर्मचारियों की मांगों को पूरा करवाने के लिए जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के मंडल डबवाली के कार्यकारी अभियंता विजय कुमार के साथ हुई।

बैठक का संचालन हरियाणा पब्लिक हेल्थ कर्मचारी संघ के राज्य मंत्री संदीप पन्नू ने किया। जिसमें कौशल कर्मचारियों के अनुभव, लेबर वेलफेयर योजना की कार्यवाही पर सहमति, जॉब सिक्योरिटी एक्ट, मेपब कार्ड आदि मांगों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ में कार्यकारी अभियंता से मांगों को पूरा करवाने की सहमति बनी। मीटिंग में हांसी शाखा प्रधान कमल सैनी, शाखा सचिव मोहन शर्मा ने भी कर्मचारियों की मांगों को जोर-शोर से उठाया।

इस मीटिंग में जिला सिरसा कार्यकारिणी से सचिव अजय शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य इकबाल, अमरजीत सिंह, रविंद्र, तार सिंह, सुखमिंदर सिंह उपस्थित रहे। फोटो- कालांवाली। एक्सईन डबवाली से बैठक करते हरियाणा पब्लिक हेल्थ कर्मचारी संघ संबंधित भारतीय मजदूर संघ शाखा सिरसा के सदस्य।

गुजरात: देश को 22 दिनों में मिला करीब 2 बिलियन डॉलर का धन प्रेषण

सुल्तान सिद्दीकी/गुजरात: वित्त वर्ष 2025 में फरवरी के पहले 22 दिनों के दौरान प्रवासी बांग्लादेशियों ने करीब 2 बिलियन डॉलर का धन प्रेषण भेजा। देश को पहले 22 दिनों के दौरान 1.93 बिलियन डॉलर का धन प्रेषण प्राप्त हुआ। बांग्लादेश बैंक के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सरकारी बैंकों ने 831.36 मिलियन डॉलर का धन प्रेषण किया, जबकि 43 निजी क्षेत्र के बैंकों ने 1,094.29 मिलियन डॉलर का धन प्रेषण किया। सबसे अधिक 274.81 मिलियन डॉलर का धन प्रेषण सरकारी स्वामित्व वाली अग्रणी बैंक पीएलसी के माध्यम से देश में आया। इस्लामी बैंक बांग्लादेश पीएलसी दूसरे स्थान पर रहा, जिसने 269.21 मिलियन डॉलर का धन भेजा, जबकि जनता बैंक पीएलसी ने 186.97 मिलियन डॉलर की तीसरी सबसे बड़ी राशि लाई।

बांग्लादेश को जनवरी में 2.18 बिलियन डॉलर और दिसंबर में 2.64 बिलियन डॉलर का धन प्रेषण प्राप्त हुआ।

बिहार: डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर एमएसए पब्लिक स्कूल में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम

एमडी फिरोज आलम

बिहार: अमदाबाद प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत स्थित एमएसए पब्लिक स्कूल में डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि के अवसर पर एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर आठवीं कक्षा तक के छात्रों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य पार्षद बबलू मंडल, पूर्व प्रमुख मंसूर आलम और एमएसए पब्लिक स्कूल के निदेशक मोहम्मद गुलाब द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर की गई।

इस अवसर पर मुख्य पार्षद बबलू मंडल ने कहा कि बच्चों को उत्तम शिक्षा के साथ-साथ प्रतियोगिताओं के माध्यम से उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ावा देना चाहिए, ताकि वे भविष्य में सफलता हासिल कर सकें। वहीं, एमएसए पब्लिक स्कूल के निदेशक मोहम्मद गुलाब ने बताया कि डॉ. राजेंद्र प्रसाद की पुण्यतिथि पर एनुअल फंक्शन के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

कार्यक्रम में छात्रों ने भाषण, डांस, नाटक और अन्य प्रतियोगिताओं के जरिए अपनी कला का प्रदर्शन किया।

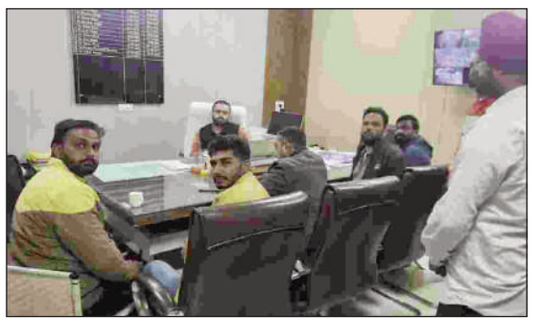

हरियाणा: पुलिस अधीक्षक डबवाली ने रेस की प्रतिस्पर्धा के जरिए नशे के बारे में युवाओं को किया जागरूक

बंसी लाल

हरियाणा: पुलिस अधीक्षक डबवाली सिद्धान्त जैन के दिशानिदेर्शानुसार व उप पुलिस अधीक्षक डबवाली रमेश कुमार के कुशल नेतृत्व में थाना औढां द्वारा गांव जलालआना में मौजूद युवा खिलाड़ियों की रेस की प्रतिस्पर्धा करवाकर नशे के दुष्परिणामों के बारे में अहम जानकारी दी गई।

रढड गुरजंट सिंह ने मौजूद खिलाड़ियों से कहा कि नशा कोई भी हो, वह परिवार को बर्बाद कर देता है। समाज में अधिकांश अपराध नशे के कारण ही हो रहे हैं। शराब, चरस, गुटखा, सिगरेट, बीड़ी, खैनी पहले का चलन बढ़ रहा है। पहले युवा नशा शौक के कारण करता है और बाद में धीरे-धीरे वह अन्य नशे जैसे हेरोइन, अफीम, पोस्त आदि जानलेवा नशे लेना शुरू कर देता है। बाद में नशे की लत पड़ने पर उसका जीवन बर्बाद हो जाता है।

नशे की बुरी लत से हमारे स्वास्थ्य के साथ-साथ धन की हानि होती है। नशे से हजारों लाखों घर बर्बाद हो चुके हैं। नौजवान बच्चे शौक-शौक में नशे की बुरी लत को पाल लेते हैं। बाद में नशे की पूर्ति के लिए क्राइम का सहारा लेते हैं, जिसमें नौजवान चोरी, स्नैचिंग, लूट तथा अवैध हथियार के साथ वारदातों को अंजाम देते हैं, जिसके कारण उनकी हंसती-खेलती जिंदगी बर्बाद हो जाती है। हमें नशे से शुरूआत में ही लड़ना चाहिए, जिससे कि हम अपनी स्वास्थ्य व धन के साथ अपने परिवार की खुशियों को बचा सकें। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया व नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया और खेल रहे युवाओं व आमजन को नशे के खिलाफ कमेटी बनाने के लिए भी प्रेरित किया।

अपील करते हुए कहा कि युवा देश की शान है। युवाओं को नशे से दूर रहकर समाजहित व देशहित में कार्य करने चाहिए। वहीं युवाओं को खेलों में रुचि लेकर गांव स्तर पर स्टेडियम या खेल मैदान कबड्डी, क्रिकेट, वॉलीबॉल जैसी खेलें खेलनी चाहिए। और नशा जैसी बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए गांव स्तर पर कमेटियां बनाकर प्रशासन का सहयोग करना चाहिए। नशा मुक्त समाज हम सब के मिलकर चलने से ही बनेगा। उन्होंने कहा कि अगर उनके क्षेत्र में कोई नशा तस्करी, नशा बेचने संबंध में कार्य करता है, तो पुलिस को सूचना भी दें। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

उत्तर प्रदेश: भाकियू तोमर के कार्यकर्ताओं ने खंड विकास अधिकारी ब्लॉक पुवॉरका को सौंपा ज्ञापन

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: सहारनपुर, भारतीय किसान यूनियन तोमर के कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा ब्लॉक पुवॉरका के खंड विकास अधिकारी को विभिन्न जन समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन युवा जिलाध्यक्ष सौरभ त्यागी के नेतृत्व में रामपुर मनिहारान तहसील अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान द्वारा सौंपा गया। जिसमें गाँव सरकड़ी शेख में रविदास मंदिर के पीछे जो तालाब है, उसके चारों ओर की खुदाई, तालाब की सफाई और तालाब की बाउंड्री पक्की कराई जाए, पानी की निकासी का रास्ता बनाया जाए। शमशान और कब्रिस्तान की चार दिवारी, श्मशान में पानी के लिए हैंडपंप और बरसात से बचने के लिए छतरी और बैठने की व्यवस्था व रास्ते को पक्का कराया जाए।

तीन गाँवों सरकड़ी शेख, चाटका सिंभालका, और गोकलपुर में बंद पड़े नाले-नालियों की सफाई की व्यवस्था कराई जाए क्योंकि नालियों में ज्यादा गंदगी होने से खतरनाक मच्छर पैदा हो रहे हैं। सरकड़ी शेख में मंदिर व मस्जिद के पास सफाई और लाइट की व्यवस्था कराई जाए। सरकड़ी शेख में प्रधान वाली गली में ट्रांसफार्मर के खंभे ज्यादा झुके होने के कारण बड़े हादसे का डर बना रहता है, जिसको ठीक करवाया जाए। जिला अध्यक्ष सौरभ त्यागी ने कहा कि सभी समस्याओं को जल्द से जल्द संज्ञान में लेकर उन पर जल्द ही काम शुरू होना चाहिए।

रामपुर मनिहारान तहसील अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान ने कहा कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो खंड विकास अधिकारी का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। खंड विकास अधिकारी ने आश्वासन देते हुए कहा कि सभी जन समस्याओं का निस्तारण जल्द ही किया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में रामपुर मनिहारान तहसील अध्यक्ष मुजीबुर्रहमान, ब्लॉक अध्यक्ष पुवॉरका रियाज, ब्लॉक सचिव मुकीम, जुल्फकार, सविता, कविता, एजाज, सोनिया, सरिता, सुरेशी, अकरम, दानिश और उत्तर प्रदेश। भाकियू तोमर के कार्यकताओं ने खंड विकास अधिकारी ब्लॉक पुवॉरका को सौंपा ज्ञापन। दर्जनों ग्रामवासी मौजूद रहे।

गुजरात: आणंद जिले में फरवरी तक कर्फ्यू, हथियार रखने और आदेश का उल्लंघन करने पर प्रतिबंध

राजपूत रणजीत

गुजरात: आनंद जिले में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए, अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट श्री ऋतुराज देसाई ने एक महत्वपूर्ण उद्घोषणा जारी की है। इस आदेश के तहत जिले के सभी क्षेत्रों में 6 फरवरी 2025 तक हथियार रखने और आदेश के उल्लंघन करने पर सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि जिले में अब कोई भी व्यक्ति तलवार, भाला, लाठी, या अन्य शारीरिक चोट पहुंचाने वाले हथियारों को लेकर नहीं चल सकता है। इसके अलावा, किसी भी सार्वजनिक स्थान पर चार से अधिक व्यक्तियों का एकत्र होना, जुलूस निकालना या अनाधिकृत बैठकें बुलाना भी प्रतिबंधित किया गया है। इस आदेश के तहत विशेष रूप से सार्वजनिक स्थानों जैसे सड़कों, फुटपाथों, गलियों, और सार्वजनिक भवनों में हथियारों का प्रयोग और अनाधिकृत एकत्रता पर रोक लगाई गई है। हालांकि, सरकारी कार्यों, ड्यूटी पर कार्यरत व्यक्तियों और विकलांग व्यक्तियों को इस आदेश से छूट दी गई है। अधिसूचना का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आदेश का उद्देश्य जिले में शांति और व्यवस्था बनाए रखना है, और इस पर सख्ती से अमल किया जाएगा। आणंद जिले के नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि वे इस आदेश का पालन करें और किसी भी प्रकार की अशांति से बचें।

उत्तर प्रदेश: हत्याकांड के आरोपियों को पुलिस की ओर से मिली संलिप्तता, पीड़ित परिवार की न्याय की गुहार

वेदप्रकाश लिटौरिया

उत्तर प्रदेश: ललितपुर के ग्राम सेवकली थाना कोतवाली तालबेहट निवासी प्रार्थिनी ने अपने पुत्र गौरवाजा की हत्या के मामले में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई में पुलिस की निष्क्रियता का आरोप लगाया है।

घटना 19 फरवरी 2025 की रात 11:30 बजे हुई थी, जब शैलेन्द्र सिंह, सत्येन्द्र सिंह, राजपाल सिंह, राम सिंह, वीरेन्द्र सिंह और अन्य आरोपियों ने गौरवाजा की हत्या कर दी। इस संबंध में एफआईआर 20 फरवरी 2025 को कोतवाली तालबेहट में धारा 191(2), 103(1), बीएनएस 2023 के तहत दर्ज की गई थी। पीड़ित परिवार के अनुसार, पुलिस ने आरोपियों को तत्काल हिरासत में लिया था, लेकिन आरोपियों के परिवार की ओर से उन्हें धमकियां मिल रही थीं, जिसमें जान से मारने की धमकी दी गई थी। इन धमकियों के बाद, 22 फरवरी 2025 को प्रार्थिनी ने मुख्यमंत्री को एक प्रार्थना पत्र देकर मामले में कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन पुलिस ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इसके बाद, 3 मार्च 2025 को पीड़ित परिवार ने पुलिस उप महानिरीक्षक झांसी से भी न्याय की अपील की थी, लेकिन इस पर भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। पिछले दिनों, 5 मार्च 2025 को जब प्रार्थिनी के देवर राजेन्द्र सिंह और अन्य परिजनों ने थाना कोतवाली तालबेहट का दौरा किया, तो उन्हें वहां कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली और पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। प्रार्थिनी और उनके परिवार ने अब अदालत से न्याय की अपील की है और आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में चालान की मांग की है।

गुजरात: आदित्य इंटरप्राइजेज बजरंग गोविंद पांडे ठेकेदार ने नौकरी के नाम पर खाये लाखों रुपए

राजपूत रणजीत

गुजरात: आदित्य इंटरप्राइजेज बजरंग गोविंद पांडे ठेकेदार फर्जी ऑफिस जॉब के नाम पर खा ला था। किसी को नौकरी नहीं लगाई या नौकरी के नाम पर पैसे ले लिए थे। 2000 हजार पेमेंट ले था। 2 साल हुआ, मेरा भुगतान बाकी है। 1 महीने को बोला था 20000 होगा। 3 महीने का पेमेंट बाकी है। 60000 पेमेंट बाकी है। 42000 ऑनलाइन पेमेंट ले लिया था। कितना लड़ाका पेमेंट बाकी है? कोर्ट में केस हो सकता है। किया था कोर्ट में कोई कर रहा है नहीं हुआ है। फर्दी चेक दिया था 45000 हजार।

श्री नेत्री ओइम आईएनजी और 17 एस5-13/ पूजा +1 करियाद।

रलिया सुंदर कठे मामी फियादो नो माई ना। डोटने करियाद

केस 11-

(1) काथी फियादो राणा जवेल रसाथे शीर्ष ने मुझे माप दिया? जीवन आजीविका है। 2) गांव, ऊपरी मंजिल पर रुक्मणी पैन-पार्लर, सीटी समाचार रास्ता, चामदाबाद में उपरोक्त शिकायतकर्ता चा काना मारोपी से मिलने के रास्ते में, मैंने मां कामा चारोपी के गामी से कहा कि वर्तमान में आप कार्यालय में काम कर रहे हैं, आपको सिक 2,20,000/- का वेतन दिया जाएगा और फिर मुझे टोरेंट पावर, चामदाबाद में नौकरी मिल जाएगी। मैंने मां से कहा- महीने की डेडलाइन खत्म हो गई, आपने मुझे कितने समय तक नौकरी पर रखा है? अगर मैं शिकायत करूंगा या आपको बताऊंगा, तेलजाना से मेरी मंडली ने जीएनएटी को माप लिया है ताकि अब मैं बाजारों में कुछ शरारत करूंगा, फिर मैं आपको अकेला छोड़ दूंगा? मुझे पैसे उधार देने हैं तो तुमने धमकी दी है।

इसलिए झूठी पुलिस बनाकर दो महीने में लौटाने की धमकी दी है। विज्ञापन बनाकर उन्होंने ममारा जैसी मशहूर लड़कियों को रोजगार के बहाने बड़ी रकम भी दी, जैसे कि रुपये। ऐसा नहीं किया गया है या समान मनीआर्डर के साथ वापस नहीं किया गया है।

सम्पादकीय

'विकसित देश' बनना है तो..

हम हररोज और निरंतर सुनते रहे हैं कि 2047 में भारत एक 'विकसित राष्ट्र' होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार और भाजपा-एनडीए का यह संकल्प है और देश की जनता का भी आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया के लिए 'कारखाना' करार दिया है, जबकि यह अर्द्धसत्य लगता है, क्योंकि भारत मैन्यूफैक्करिंग (विनिर्माण, उत्पादन आदि) में पिछड़ता जा रहा है। लक्ष्य तय किया गया था कि इस क्षेत्र का जीडीपी में योगदान कमोबेश 25 फीसदी होना चाहिए, लेकिन यह हिस्सेदारी 15 फीसदी से भी कम हो गई है। यह ऐसा क्षेत्र है, जिसमें रोजगार के व्यापक अवसर बनते हैं। दरअसल भारत 'मैन्यूफैक्करिंग हब' के बजाय 'ट्रेडिंग देश' बनता जा रहा है। चीन से आयात बढना इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इधर विश्व बैंक के साथ-साथ कुछ अन्य एजेंसियों और संस्थाओं की भी रपटें सामने आई हैं। ऐसी रपटें भारत की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थितियों, श्रम-शक्ति और भागीदारी, हमारी औसत आय आदि के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन और सर्वेक्षण पर आधारित होती हैं, लिहाजा उन्हें सिरे से नकारा नहीं जा सकता।

यदि भारत सरकार पारदर्शी, स्पष्ट और निष्पक्ष डाटा देश के सामने पेश करती रहती, तो इन रपटों की कोई जरूरत ही नहीं थी और देश के औसत नागरिक के सामने तमाम स्थितियां साफ होतीं। जो भी डाटा सरकारी विभाग जारी करते हैं, वे या तो अर्द्धसत्य होते हैं अथवा यथार्थ को ढक कर चलते हैं। बहरहाल अब आकलन यह किया जा रहा है कि यदि भारत को 2047 में 'विकसित राष्ट्र' बनना है, तो उसकी सालाना आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी लगातार होनी चाहिए, लेकिन अभी 2025-26 के बजट में विकास दर 6.5 फीसदी का अनुमान लगाया गया है। लगभग यही अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का है। वास्तव में यह विकास दर 5 फीसदी के करीब होगी, क्योंकि कई समीकरणों, तथ्यों, उत्पादन, मुद्रास्फीति की दर आदि का सही मूल्यांकन बाद में ही किया जा सकता है। अभी भारत में प्रति व्यक्ति आय करीब 2.20 लाख रुपए सालाना बताई जाती है, जबकि विकसित देश बनने के लिए यह कमोबेश 15.48 लाख रुपए होनी चाहिए। भारत में करीब 100 करोड़ लोगों के पास इतना अतिरिक्त पैसा नहीं है कि वे गैर-जरूरी चीजों पर भी खर्च कर सकें। मात्र 10 फीसदी भारतीयों के पास ही निरंतर खर्च करने की क्षमता है। क्या भारत की अर्थव्यवस्था और जीडीपी 10 फीसदी लोगों के बूते ही है? यदि भारत को वाकई 'विकसित देश' बनना है, तो श्रम की भागीदारी 65 फीसदी या उससे अधिक होनी चाहिए, जबकि यह भागीदारी फिलहाल 56.4 फीसदी है। आम आदमी की औसत आय करीब 28 फीसदी बढ़ी है, जबकि उद्योगपतियों और अमीरों की आय में 350 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यह आर्थिक असमानता भारत का यथार्थ है, लिहाजा विकसित अर्थव्यवस्था को लेकर इतराना नहीं चाहिए। अभी तो भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने से काफी पीछे है, लिहाजा 5 ट्रिलियन डॉलर तो बहुत दूर की कौड़ी है। वैसे दावे तो 30 ट्रिलियन डॉलर के भी किए जा रहे हैं। जिस देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को, हर माह, मुफ्त अनाज मुहैया कराया जा रहा हो और यह योजना 2029 तक जारी रहनी हो, तो वह देश 2047 तक विकसित देशों की जमात में शामिल कैसे हो सकता है?

दरअसल मुफ्तखोरी की राजनीति देश के एक वर्ग को आलसी, निकम्मा बना रही है और अर्थव्यवस्था को खोखला कर रही है, लिहाजा भारत में कौशल की कमी है, उत्पादन की कमी है, आय-व्यय के समीकरण असंतुलित हैं। अर्थव्यवस्था कैसे विस्तार पाएगी? 10 फीसदी लोगों के सहारे ही देश कब तक चलेगा? यह भारत का भीतरी यथार्थ है। चूंकि आय में अधिक बढ़ोतरी नहीं है अथवा आय के स्रोत सूखते जा रहे हैं, तो असर औसत बचत पर भी पड़ेगा। भारत में बचत में करीब 44 फीसदी की कमी आई है। जो बचत 2019-20 में 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक थी, अब 2024-25 में वह घट कर 6.52 लाख करोड़ रुपए हो गई है। देश में बेरोजगारी और महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं है। शिक्षा और स्वास्थ्य में कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं है। हमारी मुद्रा ह्यरुपयाह्न लगातार गिर रहा है। यदि विकसित देश बनना है, तो भारत की सरकार और जनता को एक लंबा, थकाऊ सफर तय करना पड़ेगा।

पच्चास साल बाद होने वाली परिसीमन को लेकर चिंताएँ

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ मिलीजुली हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से पूरा कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है....

उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए अधिक आबादी वाले राज्यों के लिए अधिक सीटें जोड़ते हुए वर्तमान सीट अनुपात को बनाए रखना महत्त्वपूर्ण है। राज्यसभा के समान एक मॉडल प्रगतिशील राज्यों को नुकसान पहुँचाए बिना एक संतुलित दृष्टिकोण प्रदान कर सकता है। सीटों का पुनर्वितरण करते समय, हमें आर्थिक योगदान, विकास मीट्रिक और शासन प्रभावशीलता को ध्यान में रखना चाहिए। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने वाले राज्यों को विशेष राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जा सकता है, जो अच्छे शासन को पुरस्कृत करता है। क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने और तेजी से बढ़ते राज्यों के प्रभुत्व को रोकने के लिए कानूनी उपाय किए जाने चाहिए। संसद के भीतर एक क्षेत्रीय परिषद की स्थापना से कम प्रतिनिधित्व वाले राज्यों के हितों की वकालत करने में मदद मिल सकती है।

2031 की जनगणना के बाद एक क्रमिक दृष्टिकोण हितधारकों के साथ चर्चा और एक सहज संक्रमण की अनुमति देगा। किसी भी परिसीमन से पहले, एक राष्ट्री सय आयोग को संभावित प्रभावों का आकलन करना चाहिए और आवश्यक सुरक्षा उपाय सुझाने चाहिए। राज्य सरकारों के लिए स्थापित चैनलों के माध्यम से परिसीमन वार्ता में सक्रिय रूप से भाग लेना महत्त्वपूर्ण है। सहकारी संघवाद को प्रोत्साहित करने के लिए किसी भी सीट पुनर्वितरण को अंतिम रूप देने से पहले अंतर-राज्य परिषद के साथ अनिवार्य परामर्श होना चाहिए। एक सुनियोजित परिसीमन प्रक्रिया जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को संघवाद की अखंडता से जोड़ सकती है। क्षेत्रीय असमानताओं से बचने के लिए, हमें दोहरे प्रतिनिधित्व मॉडल, भारित मतदान या राज्यसभा की शक्तियों को बढ़ाने जैसी नवीन रणनीतियों पर विचार करना चाहिए। राजकोषीय संघवाद और संस्थागत ढांचे को मजबूत करके, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि राजनीतिक निष्पक्षता जनसांख्यिकीय परिवर्तनों के साथ संरेखित हो, जिससे एक सुसंगत और एकजुट भारत को बढ़ावा मिले। लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाने से नागरिकों को बेहतर प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे निर्वाचन क्षेत्रों का आकार छोटा होगा और शासन में सुधार होगा। संसदीय सीटों को 543 से बढ़ाकर 800 से अधिक करने से संसद सदस्य मतदाताओं की जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से सम्बोधित कर सकेंगे। निश्चित सीट आवंटन के कारण उत्तरी राज्यों को कम प्रतिनिधित्व का सामना करना पड़ा है और परिसीमन इन ऐतिहासिक असंतुलनों को सुधारने का एक मौका प्रदान करता है। बिहार का प्रतिनिधित्व अभी भी 1971 के आँकड़ों पर आधारित है, बावजूद इसके कि इसकी जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई है। नवीनतम जनगणना आँकड़ों के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों को संशोधित करने से लोकतांत्रिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और चुनावी प्रतिनिधित्व में जनसंख्या असमानताओं को रोका जा सकेगा। झारखंड, जिसे 2000 में बिहार से अलग कर दिया गया था, अभी भी पुरानी निर्वाचन संरचना का पालन कर रहा है, जो राजनीतिक स्पष्टता को कम करता है।

-राकेश कुमार आर्य-

केजरीवाल धूमकेतु की भांति राजनीति के शिखर पर चढ़े। राजनीति को उन्होंने अपनी चमक से एक बार भौचक्का सा कर दिया था। तब किसी ने भी यह नहीं सोचा था कि वह इतनी शीघ्रता से नीचे आ जाएंगे? परन्तु आज का सच यही है कि केजरीवाल अपने राजनीतिक जीवन के सबसे बुरे दिनों से गुजर रहे हैं। उनके कर्मों का फल ऐसा ही आना था। उन्होंने राजनीति में ह्य रेवड़ी संस्कृति ह्य को स्थापित कर एक नई राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को जन्म दिया। जिसमें जनता के लोक कल्याणकारी कार्यों की ओर ध्यान न देकर देश प्रदेश के खजाने को खाली करने पर राजनेताओं ने ध्यान देना आरंभ किया। निसंदेह भाजपा ने भी इस 'राजनीतिक अपसंस्कृति' को अपनाने में कोई संकोच नहीं किया।

केजरीवाल के लिए जी का जंजाल बनी कैग रिपोर्ट

जो अपने आप को कट्टर ईमानदार कहते थे, वे इस समय कट्टर बेईमान सिद्ध हो चुके हैं। कभी कैग की रिपोर्ट को आधार बनाकर दिल्ली में कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार को सत्ता से बाहर फेंकने में सफल हुए केजरीवाल उस समय देश के प्रमुख नेताओं को भ्रष्टाचारी कहकर कोसते फिरा करते थे। उन्होंने मुलायम सिंह यादव, सोनिया गांधी, शरद पवार और मायावती जैसी राजनीतिक हस्तियों को नाक से पानी पिला दिया था। लोगों ने केजरीवाल को राजनीति में एक नई आशा के रूप में देखा था। देश के अधिकांश लोगों को ऐसा लगा था कि वह राजनीति में कुछ नया कर पाने में सफल होंगे। दिल्ली की जनता ने उन्हें दिल्ली की कमान सौंपकर सारे देश को यह संदेश दिया था कि अब प्रचलित राजनीति और राजनेताओं की ओर न देखकर नए विकल्प खोजने की तैयारी करनी चाहिए।

केजरीवाल धूमकेतु की भांति राजनीति के शिखर पर चढ़े। राजनीति को उन्होंने अपनी चमक से एक बार भौचक्का सा कर दिया था। तब किसी ने भी यह नहीं सोचा था कि वह इतनी शीघ्रता से नीचे आ जाएंगे? परन्तु आज का सच यही है कि केजरीवाल अपने राजनीतिक जीवन के सबसे बुरे दिनों से गुजर रहे हैं। उनके कर्मों का फल ऐसा ही आना था। उन्होंने राजनीति में ह्य रेवड़ी संस्कृति ह्य को स्थापित कर एक नई राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को जन्म दिया। जिसमें जनता के लोक कल्याणकारी कार्यों की ओर ध्यान न देकर देश प्रदेश के खजाने को खाली करने पर राजनेताओं ने ध्यान देना आरंभ किया। निसंदेह भाजपा ने भी इस ह्य राजनीतिक अपसंस्कृतिह्न को अपनाने में कोई संकोच नहीं किया।

यह कितना रोचक तथ्य है कि जो केजरीवाल कभी कैग की रिपोर्ट को आधार बनाकर शीला दीक्षित को सत्ता से बेदखल करने में सफल हुए थे, आज उन्हीं के लिए कैग की रिपोर्ट जी का जंजाल बन चुकी है। उन्होंने कभी कैग की रिपोर्ट को ही आधार बना कर लोकपाल विधेयक लाने की मांग की थी, परन्तु जब वह सत्ता में आए तो उन्होंने लोकपाल विधेयक लाने की ओर तनिक भी ध्यान नहीं दिया। इसके विपरीत उन्होंने यह दिखाने का प्रयास किया कि वह स्वयं ही लोकपाल हैं अर्थात वे स्वयं इतने ईमानदार हैं कि उन्हें अपने ऊपर किसी लोकपाल को स्थापित करने की आवश्यकता नहीं है। अपने इसी अहंकारी स्वभाव के कारण उन्होंने जेल जाकर भी मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं दिया। यद्यपि दिल्ली सहित सारे देश की जनता उनसे उस समय यह अपेक्षा कर रही थी कि वे अपने आप को दूध का धुला सिद्ध करने के लिए राजनीति में किसी नए आदर्श की स्थापना करेंगे। केजरीवाल यह भूल गये कि राजनीति अपेक्षाओं का खेल है और जब कोई राजनेता अपेक्षाओं से खिलवाड़ करता है तो समय आने पर उसकी अपनी अपेक्षाएं ही बलि का बकरा बन जाती हैं। इसी को इतिहास की क्रूर नियति कहते हैं। आज के केजरीवाल इसी नियति का शिकार बन चुके हैं। वह देश में रोहिंग्या मुस्लिमों के मसीहा बनते जा रहे थे। बांग्लादेशी घुसपैठियों के वह ह्य बेताज बादशाहह्न बन चुके थे। इसी प्रकार खालिस्तानी आतंकियों को भी वह अपना समर्थन दे रहे थे। कथित किसान आंदोलन के उग्रवादी जिस समय लालकिले की प्राचीर पर जाकर अपना झंडा चढ़ा रहे थे, उस समय भी वह किसी बड़े ह्य राजनीतिक खेलह्न की प्रतीक्षा कर रहे थे या कहिए कि किसी बड़े भारी विनाश की प्रतीक्षा कर रहे थे, जिसमें वह स्वयं में भविष्य का एक हीरो देख रहे थे। इस प्रकार कट्टर बेईमान कट्टर देश विरोधी शक्तियों के हाथों में खेल रहा था। ऐसे में यदि उसे कट्टर देशविरोधी भी कह दिया जाए तो कोई अतिशयोक्ति न होगी।

उन्होंने राजनीति की शब्दावली को न्यूनतम स्तर पर लाकर राजनीति को घटिया स्वरूप प्रदान किया। राजनीतिक शालीनता को उन्होंने झूठों के पुलिंदों में बदल दिया। यहां तक कि राजनीतिक वेशभूषा को भी उन्होंने पैंट शर्ट अथवा पेंट और टीशर्ट में परिवर्तित कर दिया। ह्य मफलर संस्कृतिह्न को उन्होंने आम आदमी के नाम पर स्थापित करने का प्रयास किया, परंतु बहुत शीघ्र ही पैंट शर्ट अथवा टी शर्ट और पेंट या मफलर संस्कृति वाले लोग देश के मतदाताओं के लिए घृणा का पात्र बन गए। इसके पीछे केजरीवाल की राजनीतिक कार्य शैली ही महत्वपूर्ण रही। वह भली प्रकार जानते थे कि उन्हें जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने में कांग्रेस का महत्वपूर्ण योगदान रहा था, परंतु इसके उपरांत भी अपनी चालाकी का प्रदर्शन करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को गाली देनी आरंभ की और जनता में यह भ्रांति फैलाने का प्रयास किया कि कांग्रेस नहीं बल्कि भाजपा उन्हें राजनीतिक पूर्वाग्रह के चलते जेल में पहुंचा रही है। जबकि देश की जनता जानती थी कि उन्हें जेल में पहुंचाने का काम न्यायालय कर रहा था। केजरीवाल अपनी प्रशंसा अपने आप ही करते रहे। उन्होंने जनता के सामने अपने आप को न केवल कट्टर ईमानदार साबित करने का प्रयास किया बल्कि सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया की राजनीतिक कार्य शैली को भी सराहने की सारी सीमाओं को लांघ गए। उन्होंने दिल्ली की जनता सहित देश के मतदाताओं में भी यह भ्रम फैलाने का प्रयास किया कि उनकी शिक्षा नीति न केवल भारत के लिए अपितु सारे विश्व के लिए एक अच्छा मॉडल बन सकती है। जिसे लेकर वह इतने उत्साहित रहे कि मनीष सिसोदिया को राष्ट्रीय पुरस्कार देने की मांग करने से भी नहीं चूके। जबकि यह केजरीवाल ही थे, जिन्होंने भारतीय शिक्षा संस्कारों को कभी अपनी शिक्षा नीति में सम्मिलित नहीं किया। उन्होंने ईसाइयों और मुसलमानों को प्रसन्न करने के लिए भारतीय शिक्षा संस्कारों की दिल्ली की शिक्षा नीति में पूर्णतया उपेक्षा की। वह नहीं चाहते थे कि देश की शिक्षा नीति में वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, दर्शन आदि का चिंतन कहीं स्थान प्राप्त करने में सफल हो सके। देश के पहले प्रधानमंत्री नेहरू की भांति वह कथित भारतीयता को भारत के लिए अपमानजनक मानने वाले नेता हैं। उन्होंने एक तानाशाह की भांति अपने आप को राजनीति में दीर्घकाल तक स्थापित करने का प्रयास किया। इसके लिए उन्होंने हर हथकंडा अपनाया। करोड़ों रुपया उन्होंने विज्ञापनों पर खर्च कर अपने आप को एक मॉडल के रूप में स्थापित करना चाहा। परंतु उनके सारे प्रयास व्यर्थ गए। जनता का अधिक देर तक कोई भी नेता मूर्ख नहीं बना सकता। केजरीवाल भी इसके अपवाद नहीं थे।

-संजय गोस्वामी-

सभी देश को अपनी संप्रभूता का अधिकार हो

अमेरिका जब सारे चैनलों पर रूस और ऊक्रेन के बारे में अमेरिका का ऊक्रेन पर अड़ीयल रुख को यानि वाइट हाउस में ट्रम्प और जिलेस्की का विवाद में कहीं कुछ कहीं कुछ दिखा रहा है तो उसक युद्ध की दर्दनाक कहानी सुनकर रातों की नींद हराम हो जाती है क्योंकि यह साफ हो गया कि दो राष्ट्र रसिया और युक्रेन के बिच हर जगह तबाही का मंजर दिख रहा है और बुचा नरसंहार ने तो मानवता का तांडव नृत्य ही कर दिया अब इसमें सच्चाई कितना है ऐ तो जांच से ही मालूम होगा इसलिए भारत इसकी नरसंहार की स्वतंत्र जांच की मांग की थी जो यह दिखाता है कि भारत किसी के बहकावे में नहीं आने वाला वह किसी भी देश को अपनी मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शो पर चलने वाला देश है मानवता की रक्षा करना ही उसका उद्देश्य है अतः इसपर वो किसी को समर्थन नहीं कर रहा है, पूर्व प्रधान मंत्री स्व अटलजी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बहुत बड़ा कदम 1998 में बिना किसी के डर के एक के बाद एक पांच परमाणु परीक्षण कर दिया और सारे देश दंग रह गए और इस अवसर पर 11मई को हर साल नेशनल टेक्नोलॉजी डे का ऐलान भी किया और जय जवान, जय किसान, के साथ जय विज्ञान का नारा भी दे दिया, आज युक्रेन के पास भी अगर 1भी परमाणु हथियार होता तो रुस लड़ाई से दूर रहता आज युक्रेन देश के सबसे बड़े हथियार और सैन्यकर्मियों से लैस रुस के खिलाफ जंग लड़ रहा है लेकिन इतने दिनों से इसलिए टिका है क्योंकि उनके लोगों में देशभक्ति का जज्बा है जिससे अमेरिका भी डर कर कोई औपचारिक रूप से लड़ाई न लड़ पा रहा है क्योंकि उसे रुस की ताकत का एहसास है वो सिर्फ यूक्रेन को बली का बकरा बनाकर रसियन के हथियारों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहा था जो पूर्व राष्ट्रपति जो बायडेन के शासनकाल में हुआ चुनाव से पहले तो ट्रम्प ने यूक्रेन के इस हालत के लिए बायडेन के कारण ही युद्ध हुआ और अगर मैं होता तो रूस को इस तरह डराता की खुब बम गिरायेंगे कि वह डर से युद्ध करता ही नहीं लेकिन मदद की आस में अमेरिका के राष्ट्रपति से मिलने गए और उनकी नहीं ट्रम्प और अमेरिका की बदनामी हो रही है और वह विश्व विजेता बनने के चक्कर में यूक्रेन को शांति की सलाह दे रहा रहा है जहाँ उसके निर्दोष नागरिक को बमो से खुब बेहरहमी से मारा गया है इसमें रूस को भी नुकसान हुआ है जब भी युद्ध होता है तो दोनों की गलती रहता है लेकिन जिस तरह उक्रेन के राष्ट्रपति जिलेस्की ने क्रिमिया कब्जे का याद दिलाया उससे तो यही लगता है वो हार नहीं मानने वाला है उक्रेन के युद्ध को खैर खेल जो भी हो वह देशप्रेम की भावना से खेलना चाहिए क्योंकि आपका एक दिन मरना तय है लेकिन जो देश की रक्षा के लिए शहीद हो जातें हैं उसे लोग देश का गौरव मानते हैं उसे लोग सदियों तक याद करते हैं जिस अमेरिका ने जापान पर द्वितीय युद्ध के दौरान हिरोशिमा और नागासाकी में परमाणु बम गिराए और लाखों लोगों की मौत हो गई वह रुस के खिलाफ कैसे मानवाधिकार हनन का प्रस्ताव ला सकता है अतः वो यूक्रेन को मोहरा बनाकर रुस के हथियारों के काट निकालने में जुटा है। इस पर कभी आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाना चाहिए ऐ मानवता के खिलाफ है और ऐसा खेल किसी भी देश की गरिमा को धूमिल करेगा। एंटोनियो गुटेरेस संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान महासचिव ने इस युद्ध पर कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के 80 साल बाद, यूक्रेन में युद्ध न केवल यूरोप की शांति और सुरक्षा के लिए बल्कि संयुक्त राष्ट्र की नींव और मूल सिद्धांतों के लिए भी गंभीर खतरा बन गया है। उन्होंने कहा, बस बहुत हो गया। तीन साल की मौत और विनाश के बाद, मैं एक बार फिर तत्काल तनाव कम करने और शत्रुता को तत्काल समाप्त करने का आह्वान करता हूं।

महासचिव ने कहा कि वे न्यायपूर्ण और समावेशी शांति के लिए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं, उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र इन पहलों का समर्थन करने के लिए तैयार है। 17 मार्च 2023 को, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी न्यायालय) के प्री-ट्रायल चैंबर क्क ने यूक्रेन की स्थिति के संदर्भ में दो व्यक्तियों के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किए: श्री व्लादिमीर व्लादिमीरोविच पुतिन और सुश्री मारिया अलेक्सेयेवना ल्वोवा-बेलोवा जारी की थी। श्री व्लादिमीर व्लादिमीरोविच पुतिन, जिनका जन्म 7 अक्टूबर 1952 को हुआ, रूसी संघ के राष्ट्रपति, कथित तौर पर आबादी (बच्चों) के गैरकानूनी निर्वासन और यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों से रूसी संघ में आबादी (बच्चों) के गैरकानूनी हस्तांतरण के युद्ध अपराध के लिए जिम्मेदार हैं (रोम संविधि के अनुच्छेद 8(2)(ए)(५) और 8(2)(बी)(५) के तहत)। कथित तौर पर ये अपराध कम से कम 24 फरवरी 2022 से यूक्रेनी कब्जे वाले क्षेत्र में किए गए थे। यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि श्री पुतिन उपरोक्त अपराधों के लिए व्यक्तिगत आपराधिक जिम्मेदारी वहन करते हैं, ( ) दूसरों के साथ और/या दूसरों के माध्यम से सीधे तौर पर कृत्य करने के लिए (रोम संविधि का अनुच्छेद 25(3)(ए)), और ( ) नागरिक और सैन्य अधीनस्थों पर उचित रूप से नियंत्रण करने में उनकी विफलता के लिए जिन्होंने कृत्य किए, या उनके कमीशन की अनुमति दी, और जो उच्च जिम्मेदारी के अनुसार उनके प्रभावी अधिकार और नियंत्रण में थे (रोम संविधि का अनुच्छेद 28(बी))। 25 अक्टूबर 1984 को जन्मी सुश्री मारिया अलेक्सेयेवना ल्वोवा-बेलोवा, रूसी संघ के राष्ट्रपति कार्यालय में बाल अधिकारों की आयुक्त, कथित तौर पर आबादी (बच्चों) के गैरकानूनी निर्वासन के युद्ध अपराध और यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्रों से रूसी संघ में आबादी (बच्चों) के गैरकानूनी हस्तांतरण के लिए जिम्मेदार हैं (रोम संविधि के अनुच्छेद 8(2)(ए)(५) और 8(2)(बी)(५) के तहत)। कथित तौर पर ये अपराध कम से कम 24 फरवरी 2022 से यूक्रेनी कब्जे वाले क्षेत्र में किए गए थे। यह मानने के लिए उचित आधार हैं कि सुश्री ल्वोवा-बेलोवा उपरोक्त अपराधों के लिए व्यक्तिगत आपराधिक जिम्मेदारी वहन करती हैं, क्योंकि उन्होंने सीधे, दूसरों के साथ मिलकर और/या दूसरों के माध्यम से कार्य किए हैं (रोम संविधि का अनुच्छेद 25(3)(ए))।

-कमलेश पांडेय-

बसपा की सियासी दुर्गति के लिए मायावती खुद जिम्मेदार!

उत्तरप्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी की नेत्री सुश्री मायावती भले ही दलित की बेटी हैं लेकिन जब दलित राजनीति के रथ पर सवार होकर वह सूबाई सत्ता और पार्टी दोनों के शीर्ष तक पहुंचीं तो दौलत पसंद बन गईं। उन्होंने अपनी सारी नीतियों को दौलत बटोरने के ही इर्दगिर्द केंद्रित कर दिया जिससे दृढ़ स्वभाव की इस महिला नेत्री ने न केवल अकूत धन बटोरा बल्कि अपनी पार्टी को भी खूब आगे बढ़ाया। इस क्रम में उन्होंने जायज-नाजायज का ख्याल तक नहीं रखा क्योंकि दलित समर्थक एक कानून हमेशा उन जैसों की कानूनी ढाल बन जाती है। हालाँकि, वक्त का पासा पलटते ही अब वही दौलत उन जैसी अविवाहित महिला के गले की फांस बन चुकी है। बहरहाल वह सत्ताधारी भाजपा के इशारे पर थिरकने को अभिशप्त हैं।

कहना न होगा कि जिस बामसेफ ने देश की दलित राजनीति को एक मजबूत प्रशासनिक आधार दिया, उसकी भी मायावती काल में इसलिए एक न चली क्योंकि परिवार और पार्टी से आगे की सोच-समझ उनमें विकसित ही न हो पाई। दरअसल, बसपा के संस्थापक मान्यवर कांशीराम के मेहनत से फली-फूली धुर ब्राह्मण विरोधी दलित पार्टी बसपा पर मायावती ने उनके जीते जी ही अपना कब्जा जमा लिया और अपने सहोदर भाई आनंद की मदद से निरंतर मजबूत होती चली गईं लेकिन जब से उन्होंने सत्ता प्राप्ति की गरज से ब्राह्मणों के प्रति सॉफ्ट कॉर्नर विकसित किया, तब से उन्हें अप्रत्याशित राजनीतिक सफलता तो खूब मिली लेकिन उनका मूल कैडर इधर उधर छिटकने लगा।

अब जिस तानाशाही तरीके से आकाश आनंद को कसूरवार ठहराते हुए उन्हें निकाल बाहर किया है, वह उनकी दूसरी बड़ी सियासी भूल है। इससे उनका और उनके भाई आनंद दोनों का परिवार बिखरेगा। यूँ तो जब से समाजवादी पार्टी प्रमुख मुलायम सिंह यादव से उनकी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भाजपा नेताओं की शह पर तेज हुई, तब से दलित समर्थक ओबीसी भी उनसे छिटकने लगे। वहीं, भाजपा के समर्थन से सत्ता की राजनीति जबसे उन्होंने शुरू की, तब से मुस्लिम वोटर भी बसपा से दूरी बनाने लगे हालांकि, सत्ता संतुलन के लिए उन्होंने सवर्णों, ओबीसी और अल्पसंख्यक नेताओं को मलाईदार पद दिए जिससे दलित भी उनसे ईर्ष्या करने लगे। इन सब कारणों से बसपा का जनाधार छीजता चला गया।

वहीं, कभी भाजपा, कभी समाजवादी पार्टी, कभी कांग्रेस और कभी अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन की राजनीति कर-के उन्होंने खुद को तो मजबूत बनाने की पहल की, लेकिन उनकी अड़ियल और हठी रवैये के चलते उनकी पटरी किसी से नहीं बैठी और अब राजनीतिक मजबूरीवश वह बिल्कुल अकेले बच गई हैं। सवाल है कि तीन बार भाजपा या सपा के सहयोग से और एक बार अपने दम पर हासिल बहुमत से यूपी की मुख्यमंत्री बनने वाली मायावती, केंद्रीय राजनीति में अपने अच्छे-खासे सांसदों के बल पर दबदबा रखने वाली मायावती आखिर इस सियासी दुर्दिन को कैसे प्राप्त हुईं।

तो जवाब यही होगा कि एक ओर उनका पारिवारिक प्रेम और दूसरी ओर भावनात्मक रूप से जुड़े नेताओं-कार्यकताओं की मौद्रिक कारणों से उपेक्षा, हालांकि, जब तक वह इस बात को समझ पाई, तबतक बहुत देर हो चुकी है। आज उनके सांसदों और विधायकों की संख्या न के बराबर है। ऐसे में उनके घर में और पार्टी में जो पारिवारिक कोहराम मचा हुआ है, वह कोई नई बात नहीं है। क्षेत्रीय राजनीतिक दलों में ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं। हालांकि, यह भी कड़वा सच है कि अपनी जिस जिद्दी स्वभाव के चलते वह सियासत में खूब आगे बढ़ीं, अब उसी जिद्दी स्वभाव के चलते उनकी पार्टी और परिवार दोनों बिखराव के कगार पर है। वहीं, 70 वर्षीय मायावती सूझबूझ से काम लेने के चक्कर में गलतियां पर गलतियां करती जा रही हैं। जिस तरह से वो अपने ही निर्णय को बार बार पलट देती हैं, उससे उनकी सियासी साख भी चौपट हो रही है। इससे सीएम-पीएम बनने का उनका ख्वाब तो चूर हो ही रहा है लेकिन जोड़-तोड़ से राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति या राज्यपाल बनने या फिर केंद्रीय मंत्री बनने की बची खुची संभावनाएं भी समाप्त होती जा रही हैं।

चूंकि देश की दलित राजनीति का यह दुर्भाग्य रहा है कि ओबीसी नेताओं की तरह ही दलित नेता भी एक दूसरे राज्यों के बड़े दलित नेताओं से स्वाभाविक समझदारी विकसित नहीं कर पाए और खुद को कमजोर करते चले गए। यूपी में तो मायावती ने दलितों को कद्दावर मुख्यमंत्री दिया लेकिन बिहार आज तक उससे वंचित है। शायद इसलिए कि भाजपा-कांग्रेस ने अपनी सियासी हितों के लिए इन्हें भी आपस में लड़ाया और अपने इरादे में कामयाब रहे।

काश! मायावती भी यह सबकुछ समझ पातीं और तदनुसार निर्णय लेतीं।

हाल ही में मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पहले पद से, फिर पार्टी से हटाते हुए उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ पर जो निशाना साधा निशाना है, इससे उन्हें लाभ के बजाय और अधिक हानि हो सकती है क्योंकि ये पार्टी के मजबूत स्तंभ रहे हैं और उनकी हर कमजोरी से वाकिफ हैं। यदि ये विभीषण बन गए तो उनका क्या होगा, सोच-समझ लें तो उचित रहेगा। दरअसल, मायावती ने आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया है लेकिन इसके लिए उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ को ज़िम्मेदार ठहराया है।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक समेत सभी अहम पदों से हटा दिया और कहा कि अहम फैसले अब वह खुद लेंगी। इसके 24 घण्टे बाद ही आकाश को भी अशोक की तरह ही पार्टी से बाहर कर दिया। उन्होंने यह भी कहा है कि जब तक वह ज़िंदा रहेंगी, तब तक उनका कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। बीएसपी सुप्रीमो ने कहा कि उनके लिए पार्टी पहले है और बाकी रिश्ते-नाते बाद में। बता दें कि 2019 में मायावती ने आकाश को पार्टी का राष्ट्रीय समन्वयक बनाया था और अपने छोटे भाई यानी आकाश के पिता आनंद कुमार को बीएसपी का उपाध्यक्ष बनाया था।

इसके बाद से ही मायावती पर भाई-भतीजावाद के आरोप लग रहे थे। ऐसे आरोप पार्टी के भीतर और बाहर दोनों जगह लग रहे थे। कई लोग यह भी कहते हैं कि पार्टी के पुराने नेता आकाश आनंद को लेकर बहुत सहज नहीं थे। लिहाजा ऐसे विघ्नसंतोषी लोगों को अब सुकून मिला होगा। अब उनपर भाई-भतीजावाद का आरोप नहीं लगेगा या कम लगेगा। ऐसे में दिलचस्प है कि अब आकाश आनंद की जगह उनके पिता आनंद कुमार और साथ में रामजी गौतम को राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त किया है। साथ ही अपने भतीजे को सभी अहम पदों से हटाने के फैसले को सही ठहराते हुए मायावती ने बीएसपी के संस्थापक कांशीराम का हवाला दिया है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में उड़ते हुए कार्गो विमान में लगी आग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शनिवार को फेडएक्स के एक कार्गो विमान के इंजन में पक्षी के टकराने से आग लग गई। इसके बाद प्लेन की न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें उड़ान के दौरान प्लेन के राइट साइड इंजन में आग दिखाई दे रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्हें एक जोरदार विस्फोट सुनाई दिया था। एक अन्य वीडियो में प्लेन को सुरक्षित रूप से उतरते हुए देखा जा सकता है, जबकि उसके इंजन में आग लगी हुई थी। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अभी यह भी साफ नहीं है कि हादसे के वक्त प्लेन में कितने लोग सवार थे। एक अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक कुछ देर के लिए रोक दिया गया था, लेकिन बाद में ट्रांसपोर्ट फिर से शुरू कर दिया गया।

नेपाल में भारत की सहायता से बने पुल का उद्घाटन

बीरगंज, एजेंसी। नेपाल के बारा जिले के बीरगंज में शनिवार को नेपाल-भारत विकास सहयोग के तहत बने कंक्रीट पुल का उद्घाटन किया गया। नवनिर्मित पुल बंगारी नदी पर भलुही-भरवालिया-8 पर बनाया गया है। वीरगंज में भारत के महावाणिज्य दूतावास देवी सहाय मीना और काठमांडो के संघीय सड़क पर्यवेक्षण एवं निगरानी कार्यालय के अधीक्षक अभियंता शुभराज न्योपाने ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मीना ने कहा, पुल के निर्माण से स्थानीय निवासियों के लिए आजीविका का सृजन हुआ है और यातायात की सुगम पहुंच बनी है। उन्होंने कहा, पुल का निर्माण यहां के स्थानीय समुदाय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। पुल के निर्माण को पूरा करने के लिए भारत सरकार ने 1.96 करोड़ नेपाली रुपये (एनआर) खर्च किए हैं।

भूकंप के बाद चीन ने तिब्बती एवरेस्ट खोला

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने शनिवार को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में माउंट एवरेस्ट के दर्शनीय क्षेत्र को फिर से खोल दिया है। इसे माउंट कोमोलंगमा के नाम से जाना जाता है। 7 जनवरी को डिंगरी में 6.8 तीव्रता का भूकंप आने के बाद इस क्षेत्र को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था। भूकंप में 126 लोगों की जान चली गई थी और 188 अन्य घायल हो गए थे। डिंगरी दुनिया की सबसे ऊंची चोटी का उत्तरी बेस कैंप है। अब यहां फिर पर्यटक आ-जा सकेंगे।

टीटीपी से जुड़े सिख समेत 20 आतंकी गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से कथित तौर पर जुड़े एक सिख व्यक्ति समेत 20 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस के आतंक निरोधक विभाग के प्रवक्ता ने कहा, कानून प्रवर्तन अफसरों ने इस हफ्ते पंजाब के कई क्षेत्रों में खुफिया सूचना पर आधारित 162 अभियानों के दौरान 20 टीटीपी आतंकवादियों को गिरफ्तार करके एक बड़ी आतंकी योजना को विफल कर दिया। बयान में कहा गया कि टीटीपी के तीन बेहद खतरनाक सदस्य - मनमोहन सिंह, नकीबुल्ला और रियाज को क्रमशः रावलपिंडी, लाहौर और रहीम यार खान से गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 6,238 ग्राम विस्फोटक, 23 डेटोनेटर व तीन आईईडी बम और प्रतिबंधित साहित्य बरामद किया। जुमे की नमाज अदा करने पर 23 अहमदिया गिरफ्तार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अल्पसंख्यक अहमदिया समुदाय के 23 सदस्यों को 'जुमे की नमाज' अदा करने के लिए गिरफ्तार किया गया, जो कानूनन उनके लिए निषिद्ध है। पुलिस को सूचना मिली कि 27 अहमदिया लाहौर से लगभग 100 किमी दूर अपने पूजा स्थल पर नमाज अदा कर रहे हैं।

तुर्किये के साथ 40 वर्ष से जारी युद्ध को रोकेंगे कुर्दिश लड़ाके

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में 40 वर्षों से विद्रोह कर रहे कुर्दिश उग्रवादियों ने शनिवार को युद्ध विराम की घोषणा कर दी। दो दिन पहले उनके कैद नेता अब्दुल्ला ओकलान ने समूह से हथियार डालने का आह्वान किया था। ओकलान 1999 से तुर्किये में कैद है। समूह ने कहा, हम अपो के शांति-लोकतांत्रिक समाज के आह्वान के कार्यान्वयन का मार्ग बनाने के लिए युद्धविराम की घोषणा करते हैं।

जापान के जंगलों में लगी भीषण आग, एक की मौत

टोक्यो, एजेंसी। जापान के उत्तरी हिस्से में लगी भीषण आग में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। इसे बीते तीन दशकों में जापान के जंगलों में लगी भीषण आग बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आग करीब 1800 एकड़ क्षेत्र में फैल चुकी है।

जेलेंस्की को ट्रंप के साथ रिश्ते बेहतर करने चाहिए : नाटो चीफ

वाशिंगटन, एजेंसी। नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रुते ने बताया है कि उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से कहा है कि वे ऐसा रास्ता ढूंढें, जिससे उनके अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रिश्ते बेहतर हो सकें। नाटो प्रमुख का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है।

रमजान के दौरान इजरायल नहीं करेगा हमला गाजा के साथ युद्धविराम प्रस्ताव पर जताई सहमति

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल और फिलीस्तीन के बीच जारी युद्ध अस्थायी रूप से टल गया है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने घोषणा की है कि इज़रायल ने रमज़ान और पासओवर अवधि के दौरान गाजा में अस्थायी युद्ध विराम के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब पहले से सहमत युद्ध विराम का पहला चरण समाप्त होने वाला था। अस्थायी युद्ध विराम का उद्देश्य धार्मिक छुट्टियों के दौरान तनाव को कम करना है। इसके कार्यान्वयन के बारे में और अधिक जानकारी का खुलासा होना बाकी है। जैसे ही रमज़ान शुरू होता है, दुनिया भर में कई लोग प्रार्थना और उपवास के साथ इस महीने का स्वागत करते हैं। लेकिन गाजा में, माहौल गम और अनिश्चितता का है। युद्ध की गूँज अभी भी बनी हुई है, और युद्ध विराम के बावजूद, कई लोगों को डर है कि लड़ाई किसी भी समय फिर से शुरू हो सकती है। गाजा में रहने वालों के लिए, पिछले संघर्षों की यादें ताज़ा हैं। इस बीच, हज़ारों इज़राइली तेल अवीव में बेगिन स्ट्रीट पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, गाजा में शेष बंदियों की रिहाई और युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर, 2023 को, हमास ने इज़राइल पर बड़े पैमाने पर हमला किया इसके साथ ही, हमास ने वाहनों, पैराग्लाइडरों और पैदल चलकर इजरायल की सीमा का उल्लंघन किया, सैन्य ठिकानों और नागरिक क्षेत्रों, विशेष रूप से गाजा पट्टी के पास के समुदायों पर हमला किया। हमलावरों ने सामूहिक गोलीबारी, अपहरण और अन्य हिंसक वारदातों को अंजाम दिया, जिसमें नागरिकों और सैनिकों सहित कई लोगों की मौत हो गई। इजरायलियों और विदेशी नागरिकों सहित 200 से अधिक व्यक्तियों को बंधक बनाकर गाजा में लाया गया। इस हमले ने इजरायल को हमास पर युद्ध की घोषणा करने के लिए प्रेरित किया, जिसके कारण व्यापक हवाई हमले और गाजा पर जमीनी आक्रमण हुआ। 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल में कम से कम 1,139 लोग मारे गए। 7 अक्टूबर का हमला दशकों में इजरायल के लिए सबसे घातक दिन था और तब से इजरायल और हमास के बीच युद्ध जारी है, जिससे दोनों पक्षों के हजारों लोग हताहत हुए हैं और गाजा में गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है।

मिस्र ने कहा- अमेरिका दूसरे चरण की बातचीत चाहता है : इस्राइल-हमास समझौते के दूसरे चरण को लेकर मिस्र के काहिरा में गुरुवार को इस्राइल, कतर और अमेरिका के अधिकारियों ने चर्चा शुरू की। मिस्र के अधिकारी ने बताया कि कि हमास, कतर और मिस्र मौजूदा युद्धविराम समझौते को जारी रखना चाहते हैं। हमास ने दूसरे चरण की वार्ता में आधिकारिक रूप से शामिल हुए बिना हर शनिवार को बंधकों की रिहाई के साथ चार सप्ताह के लिए युद्धविराम बढ़ाने के इस्राइल के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। अमेरिका दूसरे चरण की बातचीत शुरू करना चाहता है, लेकिन बातचीत के दौरान बंधकों की रिहाई की मांग की। हमास ने युद्ध विराम की शर्तों के पूर्ण क्रियान्वयन पर जोर दिया। हमास एक सदस्य ने बताया कि हमने युद्ध विराम के प्रथम चरण को आगे बढ़ाने के इस्राइल के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। हमास ने कहा कि यह युद्ध विराम समझौते के विरुद्ध है। हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य बासम नैम ने एपी को बताया था कि शुक्रवार को इस्राइली प्रतिनिधि के स्वदेश लौटने से पहले समाधान खोजने में कोई प्रगति नहीं हुई। बताया जा रहा है कि काहिरा में हो रही वार्ता में हमास ने भाग नहीं लिया है। मिस्र और कतर के अधिकारियों ने हमास का प्रतिनिधित्व किया। संघर्ष विराम समझौते के लेकर हमास ने शुक्रवार को कहा था कि वह समझौते की सभी शर्तों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमास ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह इस्राइल पर बिना किसी देरी या टालमटोल के तुरंत दूसरे चरण में आगे बढ़ने के लिए दबाव डाले। इस्राइल का कहना है कि गाजा में अभी भी मौजूद 59 बंधकों में से 32 मर चुके हैं। जनवरी में दोनों पक्षों ने तीन चरण के युद्ध विराम समझौते पर सहमति जताई थी।

नंगे पैर इंटरव्यू देने पर ट्रोल हुए विवेक रामास्वामी, भारतीय संस्कृति को लेकर छिड़ी बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में दावेदार रहे भारतवंशी विवेक रामास्वामी एक विवाद में फंस गए हैं। दरअसल उन्होंने बीते दिनों नंगे पैर एक इंटरव्यू दिया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। अब इसे लेकर रामास्वामी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स उन्हें अमेरिका विरोधी और असभ्य तक कह रहे हैं। वहीं कई यूजर्स विवेक रामास्वामी का समर्थन भी कर रहे हैं। दरअसल बीते साल एक लाइव स्ट्रीमिंग रिकॉर्डिंग के दौरान विवेक रामास्वामी नंगे पैर बैठे। यह लाइव स्ट्रीमिंग रिकॉर्डिंग विवेक रामास्वामी के घर में हुई थी। अब इसे लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा छिड़ी हुई है। कुछ यूजर्स ने रामास्वामी पर निशाना साधते हुए लिखा कि विवेक रामास्वामी कभी भी ओहायो के गवर्नर नहीं बन पाएंगे। यह अमेरिका में अस्वीकार्य है। एक अन्य यूजर ने लिखा कि विवेक को इंटरव्यू के दौरान कम से कम मौजे पहनने चाहिए थे। एक अन्य यूजर ने लिखा कि विवेक रामास्वामी हमें शिक्षा पर भाषण देते हैं, लेकिन वे खुद इंटरव्यू में नंगे पैर दिखाई दे रहे हैं। यह बेहद असभ्य है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सभी लोग विवेक रामास्वामी की आलोचना कर रहे हैं। कई यूजर्स ऐसे भी हैं, जिन्होंने विवेक रामास्वामी का समर्थन किया है। इन यूजर्स का कहना है कि दक्षिण और पूर्व एशिया में जहां भारत स्थित है, वहां घर के अंदर जूते उतारकर रहना एक सामान्य बात है। एक यूजर ने लिखा कि करीब सभी भारतीय अपने घरों में नंगे पैर ही रहते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। यह वहां की संस्कृति का हिस्सा है। मशहूर कमेंटेटर इयान माइल्स चेओंग ने विवेक रामास्वामी का समर्थन किया और लिखा कि अपने ही घर में नंगे पैर रहना कैसे अमेरिका विरोधी हो सकता है।

अंग्रेजी बनी अमेरिका की आधिकारिक भाषा; कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद ट्रंप बोले- आएगी एकजुटता

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चौंकाने वाला कार्यकारी आदेश जारी किया है। ट्रंप ने अब अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक भाषा घोषित किया है। उन्होंने कहा कि इससे विश्व भर के अप्रवासियों वाले देश में एकजुटता आएगी। व्हाइट हाउस ने ट्रंप का कार्यकारी आदेश एक्स पर पोस्ट किया। इसमें कहा गया कि अब समय आ गया है कि अंग्रेजी को देश की आधिकारिक भाषा घोषित किया जाए। व्हाइट हाउस ने लिखा कि एक राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित भाषा एकीकृत और सामंजस्यपूर्ण समाज का मूल है। संयुक्त राज्य अमेरिका ऐसे नागरिकों से मजबूत होता है जो एक साझा भाषा में विचारों का स्वतंत्र रूप से आदान-प्रदान कर सकते हैं। आदेश में कहा गया है कि एजेंसियों को यह छूट दी गई है कि वे अंग्रेजी के अलावा अन्य कितनी भी भाषाओं में सेवाएं दे सकते हैं। यह आदेश किसी भी एजेंसी को अपनी सेवा में परिवर्तन का निर्देश नहीं देता है। एजेंसी प्रमुखों को यह निर्धारित करने का अधिकार है कि अपनी-अपनी एजेंसियों के मिशन को पूरा करने और अमेरिकी लोगों को कुशलतापूर्वक सरकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए क्या आवश्यक है? व्हाइट हाउस ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 350 से ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं। हमारे गणराज्य की स्थापना के समय से अंग्रेजी राष्ट्र की भाषा रही है।

अमेरिका में सैन्य स्वास्थ्य एजेंसी की अश्वेत चीफ को जबरन किया सेवानिवृत्त; रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सेना के वरिष्ठ वकीलों के बाद अब सैन्य स्वास्थ्य एजेंसी की प्रमुख और अश्वेत महिला अधिकारी को जबरन सेवानिवृत्त कर दिया गया है। एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा किया गया है कि अमेरिकी सेना की लेफ्टिनेंट जनरल टेलिटा क्रॉसलैंड को जबरन सेवानिवृत्त किया गया। गौरतलब है कि शुक्रवार को ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीफ ऑफ स्टाफ एयरफोर्स जनरल सीक्यू ब्राउन जूनियर को उनके पद से हटा दिया था। यह अमेरिकी सेना के ढांचे में बड़े बदलाव का संकेत है।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल टेलिटा क्रॉसलैंड की सेवानिवृत्ति का एलान किया गया। बताया जाता है कि 32 साल से सेना में काम कर रही क्रॉसलैंड को सेवानिवृत्ति के लिए मजबूर किया गया है। स्वास्थ्य मामलों के कार्यवाहक सहायक रक्षा सचिव स्टीफन फेरारा ने कहा कि क्रॉसलैंड की सेवानिवृत्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मैं क्रॉसलैंड को पिछले 32 वर्षों से राष्ट्र, सैन्य स्वास्थ्य प्रणाली और सेना चिकित्सा में उनके समर्पण के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हालांकि सेना के एक पूर्व अधिकारी का कहना है कि क्रॉसलैंड को जबरन सेवानिवृत्ति दी गई है। उनको ऐसा करने का कोई कारण भी नहीं बताया गया। सेना में हो रहा बड़ा बदलाव इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीफ ऑफ स्टाफ एयरफोर्स जनरल सीक्यू ब्राउन जूनियर को उनके पद से हटा दिया था। इसके अलावा अमेरिकी नौसेना की एडमिरल लिसा फ्रेंचेट्टी, वायुसेना के उप-प्रमुख जेम्स स्लाइफ को भी पद से हटा दिया गया। इसके बाद सेना के वरिष्ठ वकीलों को नौकरी से निकाला गया। सेना के पूर्व अधिकारी और विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप वोकिज्म यानी प्रगतिशील विचारों को खत्म करने के लिए सेना में बड़े बदलाव कर रहे हैं। जबकि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले ही

इशारा दिया था कि वे सेना में योग्यता आधारित सिस्टम लागू करेंगे और किसी भी नेता को उसकी राजनीतिक सोच के आधार पर हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप के इस कदम से अमेरिकी सेना में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। एक तरफ वे सेना में विविधता और समानता को कम कर पारंपरिक सैन्य संस्कृति को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ इस फैसले की आलोचना भी हो रही है।

म्यांमार ने रिहा किए इंडोनेशिया के 84 नागरिक : नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में धोखाधड़ी से जुड़े 84 इंडोनेशियाई नागरिकों को रिहा किया गया है। म्यांमार में इन धोखाधड़ी सेंटर्स के खिलाफ सरकार ने अभियान चलाया हुआ है, जहां से पकड़े गए लोगों को उनके देश भेजा जा रहा है। म्यांमार की सरकार ने इस अभियान में करीब 7000 लोगों को पकड़ा है, जो थाईलैंड, म्यांमार और चीन के लोगों द्वारा चलाए जा रहे इंडोनेशिया के लोगों को दो बसों में बिठाकर गुरुवार को थाईलैंड के शहर माए सोत ले जाया गया, जहां उनके स्वास्थ्य की जांच और पहचान की जांच की गई। बता दें कि विभिन्न तरह के लालच देकर हजारों लोगों को म्यांमार में काम के लिए लाया जाता है, जहां उन्हें विभिन्न तरह की धोखाधड़ी के काम में लगा दिया जाता है। कई लोगों को गलत दावे कर म्यांमार लाया जाता है और यहां उनका शोषण किया जाता है। रिहा किए गए 84 इंडोनेशियाई नागरिकों में 69 पुरुष और 15 महिलाएं हैं।

जेलेंस्की की अमेरिकी यात्रा एक राजनीतिक और कूटनीतिक नाकामी : रूस

मॉस्को, एजेंसी। रूस ने शनिवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की अमेरिका यात्रा को कीव शासन की पूर्ण राजनीतिक और कूटनीतिक नाकामी करार दिया। मॉस्को की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ ओवल ऑफिस में जेलेंस्की के सार्वजनिक टकराव के बाद आई। दो देशों के नेताओं के बीच हुई तीखी बहस ने पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरीं।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा, रूसी पक्ष ने सभी स्तरों पर बार-बार कहा है कि वी.जेलेंस्की अनुपयुक्त, भ्रष्ट और समझौते पर पहुंचने में असमर्थ हैं। यह कीव शासन था जिसने दुश्मनी को जारी रखा। जखारोवा ने कहा, वाशिंगटन में अपने प्रवास के दौरान अपने बेहद असभ्य व्यवहार से वी. जेलेंस्की ने पुष्टि की है कि वह एक बड़े युद्ध को भड़काने वाले के रूप में विश्व समुदाय के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। रूसी विदेश

मंत्रालय के प्रवक्ता ने जेलेंस्की को एक ऐसा व्यक्ति बताया जो केवल उस शक्ति को बचाने के लिए जुनूनी है जिसे उसने हड़प लिया है। उन्होंने कहा, इस उद्देश्य के लिए, उन्होंने विपक्ष को नष्ट कर दिया, एक अधिनायकवादी राज्य का निर्माण किया, अपने लाखों साथी नागरिकों को निर्दयतापूर्वक मौत के घाट उतार दिया। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में, जो कीव शासन के लिए लगातार खराब होती जा रही हैं, यह व्यक्ति जिम्मेदारी की भावना दिखाने में असमर्थ है और इसलिए युद्ध जारी रखने और शांति को अस्वीकार करने के लिए जुनूनी है।

इससे पहले शुक्रवार को ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उप-राष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ राष्ट्रपति जेलेंस्की की मुलाकात एक शोरगुल वाली तीखी बहस में बदल गई। अमेरिकी नेताओं ने जेलेंस्की पर उनकी टिप्पणियों के लिए व्हाइट हाउस और अमेरिका का अनादर करने का आरोप लगाया।

वहीं यूक्रेनी राष्ट्रपति ने उन पर आक्रमण का शिकार होने की हताशा को महसूस नहीं करने का आरोप लगाया। दोनों पक्षों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए। इस समझौते का उद्देश्य कीव के युद्ध प्रयासों में किए मदद के लिए यूक्रेन के दुर्लभ खनिज और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के भंडार पर अमेरिका का अधिकार स्थापित करना था।

दो मिलियन से अधिक लोग खाद्य असुरक्षा का कर रहे सामना

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में खाद्य-असुरक्षित लोगों की संख्या 2.15 मिलियन है। यह आंकड़ा जुलाई 2024 के मुकाबले एक मिलियन से अधिक है। पूर्वी अफ्रीकी देश के राष्ट्रीय सूखा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने यह जानकारी दी है। एनडीएमए ने कहा कि खाद्य सुरक्षा में गिरावट का कारण सामान्य से कम बारिश है। यह पिछले मौसमों से होने वाले फायदे को पलट देती है। इससे घरेलू खाद्य उपभोग में अंतर आया है और कुपोषण का स्तर बढ़ रहा है। केन्या की राजधानी नैरोबी में जारी एक रिपोर्ट में एनडीएमए ने चेतावनी दी, मार्च-मई के लंबे बारिश के मौसम के दौरान स्थिति और भी खराब होने का अनुमान है। इसमें 2.8 मिलियन लोगों को तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना करने की संभावना जताई गई है। एनडीएमए के अनुसार, चरागाह और पानी की उपलब्धता में कमी के कारण पशुओं की लंबी दूरी तय करनी पड़ी है और साथ ही पशुओं की उत्पादकता में भी कमी आई है। इसके परिणामस्वरूप देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में दूध उत्पादन में 25-40 प्रतिशत की कमी आई है और दूध की कीमतें बढ़ गई हैं। एनडीएमए की चेतावनी से एक सप्ताह पहले अंतर-सरकारी विकास प्राधिकरण (आईजीएडी) के जलवायु वैज्ञानिकों ने खुलासा किया था कि केन्या उन चार पूर्वी अफ्रीकी देशों में से एक है जिन्हें आने वाले दिनों में उच्च स्तर की गर्मी का

अनुभव करना पड़ सकता है। यूएसए के विश्व खाद्य कार्यक्रम के अनुसार, केन्या, एक निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था, तेजी से बढ़ रही है लेकिन सामाजिक और आर्थिक असमानताएं बनी हुई हैं। केन्या के एक तिहाई से अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। बढ़ती जनसंख्या, जलवायु परिवर्तन, खराब प्रदर्शन करने वाली खाद्य प्रणालियां और लैंगिक असमानताएं देश में खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं। पर्याप्त पौष्टिक भोजन तक पहुंच कई लोगों के लिए एक चुनौती बनी हुई है, खासकर शुष्क और अर्ध-शुष्क इलाके, जो देश के 80 प्रतिशत भूमि क्षेत्र हैं। केन्या में 500,000 शरणार्थी हैं, जो मुख्य रूप से दूरदराज के, खाद्य-असुरक्षित काउंटियों में स्थित शिविरों में हैं। काम करने या स्वतंत्र रूप से घूमने में असमर्थ, शरणार्थी अंतरराष्ट्रीय सहायता पर अत्यधिक निर्भर हैं।

युगांडा में इबोला से चार साल के बच्चे की मौत, डब्ल्यूएचओ बोला- दूसरी मौत स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए बड़ा झटका

कंपाला, एजेंसी। पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा में इबोला से एक चार साल के बच्चे की मौत हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, इबोला से यह दूसरी मौत है। इससे पहले, 30 जनवरी को एक वार्ड बॉय की प्रकोप घोषित होने से एक दिन पहले मौत हुई थी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि बच्चे की मौत स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए एक बड़ा झटका है, जो प्रकोप के जल्दी खत्म होने की उम्मीद कर रहे थे। डब्ल्यूएचओ ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि बच्चे को युगांडा की राजधानी कंपाला में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान मंगलवार को उसकी मौत हो गई। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि वे निगरानी और संपर्क ट्रेसिंग को मजबूत करने पर काम कर रहे हैं। बच्चे की मौत ने अधिकारियों के दावे को कमजोर किया बच्चे की मौत ने युगांडा के अधिकारियों के उस दावे को कमजोर कर दिया, जिसमें कहा गया था कि फरवरी की शुरुआत में आठ इबोला मरीजों को ठीक कर छुट्टी दे दी गई थी, जिसके बाद प्रकोप नियंत्रण में था।

कंपाला में हुई थी वार्ड बॉय की मौत इससे पहले, वार्ड बॉय ने कंपाला और पूर्वी युगांडा के कई अस्पतालों में इलाज करवाया था। वह बीमारी का उपचार कराने के लिए एक पारंपरिक चिकित्सक के पास भी गया था। बाद में, कंपाला में उसकी मौत हो गई थी। वार्ड बॉय के संपर्क में आने से आठ लोगों को हुआ था इबोला वार्ड बॉय के संपर्क में आने से आठ लोग इबोला से ग्रस्त हो गए थे। उनके सफल इलाज ने स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को आशा दी थी कि प्रकोप खत्म हो गया है, लेकिन वे अभी भी इसके स्रोत की जांच कर रहे हैं। इबोला के प्रसार को रोकने के लिए संपर्कों का पता लगाना जरूरी डब्ल्यूएचओ ने

कहा कि इबोला के प्रसार को रोकने के लिए संपर्कों का पता लगाना जरूरी है, और युगांडा में इबोला के सूडान स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन नहीं है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, युगांडा के विभिन्न सीमा पार बिंदुओं पर प्रतिदिन 20,000 से अधिक यात्रियों की इबोला के लिए जांच की जाती है। डब्ल्यूएचओ ने युगांडा को दिए 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर डब्ल्यूएचओ ने युगांडा को इबोला प्रतिक्रिया का समर्थन करने के लिए कम से कम 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर दिए हैं, लेकिन यूएसएआईडी के 60प्रतिशत विदेशी सहायता अनुबंधों को खत्म करने के अमेरिकी प्रशासन के फैसले के कारण धन की कमी की चिंता है। अमेरिकी सहायता में कटौती से कई गैर-सरकारी समूहों के काम पर पड़ा असर युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय के निदेशक चार्ल्स ओलारो ने कहा कि अमेरिकी सहायता में कटौती से कई गैर-सरकारी समूहों के काम पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा, चुनौतियां हैं, लेकिन हमें नई वास्तविकता के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है।

गौतम अडानी का कर्ज अपने सिर लेगा दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान!

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक और सबसे सफल हेज फंड्स में से एक सिटाडेल ने गौतम अडानी के कर्ज को खरीदने के लिए बातचीत शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक यह बातचीत 750 मिलियन डॉलर के कर्ज को खरीदने के लिए है जिसे अडानी ग्रुप रिफाइनेंस करना चाहता है। अमेरिका में रिश्वत और धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रहे अडानी के लिए यह डील एक बड़ी उपलब्धि हो सकती है। ब्लैकरॉक के सीईओ लैरी फिंक को दुनिया का सबसे ताकतवर इंसान माना जाता है। इसकी वजह ब्लैकरॉक .10 ट्रिलियन से ज्यादा एसेट मैनेज करती है। भारत में ब्लैकरॉक ने टाटा मोटर्स और रिलायंस जियो की फाइनेंशियल सर्विसेज के साथ साझेदारी की है।

2022 में अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड से 750 मिलियन डॉलर के सीनियर सिक्योर्ड प्राइवेट प्लेसमेंट नोट्स खरीदे थे। एमआइएएल, अडानी की एक कंपनी है, जो मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा को ऑपरेट करती है। एमआइएएल का ज्यादातर हिस्सा अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग्स लिमिटेड के पास है, जो अडानी एंटरप्राइजेज की पूरी तरह से स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

अडानी का एयरपोर्ट बिजनस– इस सात साल के कर्ज की शर्तें और कीमत अप्रैल–मई 2025 के बाद सख्त हो जाएंगी। सूत्रों के मुताबिक अडानी ग्रुप इस कर्ज को रिफाइनेंस करना चाहता है। इसके अलावा अडानी ग्रुप कई हवाई अड्डों के अपग्रेडेशन और एक्सटेंशन के लिए एएएचएल में 750 मिलियन डॉलर और जुटाना चाहता है।

अमेरिका की टैरिफ वॉर पर ड्रैगन का पलटवार

बीजिंग एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से छेड़े गए टैरिफ वार पर चीन ने पलटवार किया। चीन ने मंगलवार को चिकन, पोर्क (सुअर का मांस), सोया और बीफ (गोमांस) सहित प्रमुख अमेरिकी कृषि उत्पादों के आयात पर 15 फीसदी तक का अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा की। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा घोषित शुल्क 10 मार्च से प्रभावी होंगे। शुल्क अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

की ओर से चीनी उत्पादों के आयात पर शुल्क बढ़ाकर 20 फीसदी करने के आदेश के बाद लागू किए गए हैं। ये शुल्क मंगलवार से प्रभावी हो गए हैं। इसमें कहा गया है कि अमेरिका में उगाए गए चिकन, गेहूं, मक्का और कपास के आयात पर 15 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगेगा। ज्वार, सोयाबीन, सूअर का मांस, बीफ, समुद्री भोजन, फल, सब्जियां और डेयरी उत्पादों पर शुल्क 10 प्रतिशत बढ़ाया जाएगा। इससे पहले ट्रंप ने फरवरी में चीन से आयात पर 10 फीसदी शुल्क लगाया था। उन्होंने सोमवार को फिर से जोर दिया कि मंगलवार को यह दर दोगुनी होकर 20 प्रतिशत हो जाएगी।

रक्षा मंत्रालय से मिला 239 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार को कारोबार के दौरान फोकस में हैं। कंपनी के शेयर 2 प्रतिशत तक चढ़कर 9138.85 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी डील है। दरअसल, कंपनी ने मंगलवार, 4 मार्च को कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने रक्षा मंत्रालय से 239 करोड़ के कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किए हैं। डील के तहत, सोलर डिफेंस और एयरोस्पेस एक साल के भीतर मल्टी-मोड हैंड ग्रेनेड डिस्ट्रिब्यूट करेगा।

क्या है डिटेल

यह डील देश की सुरक्षा क्षमताओं में योगदान देने वाले महत्वपूर्ण डिफेंस प्रोडक्ट्स की सप्लाई पर फोकस है। सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड हाई क्वालिटी वाले डिफेंस प्रोडक्ट्स के निर्माण और आपूर्ति में सक्रिय है। बता दें कि इसस पहले 28 फरवरी को, सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया ने ऐलान किया था कि कंपनी ने अपनी सहायक कंपनी के साथ डिफेंस प्रोडक्ट्स की सप्लाई के लिए 2,150 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए हैं। एक अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा दिए गए ये ऑर्डर अगले छह सालों में पूरे होने की उम्मीद है। हालांकि, कंपनी के प्रबंधन ने यह भी कहा कि घरेलू बाजार में मंदी के कारण वह एफवाय25 के लिए पहले निर्धारित 30 प्रतिशत रेवेन्यू बढ़ोतरी टारगेट को पूरा नहीं कर पाएगी।

टाटा की कंपनी का आ रहा मोस्ट अवेटेड आईपीओ, इस साल का होगा सबसे बड़ा इश्यू!

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी का एक और आईपीओ इस साल निवेश के लिए लॉन्च हो सकता है। टाटा समूह के मोस्ट अवेटेड आईपीओ चर्चा में हैं। बहुत जल्द निवेशक बहुत जल्द पैसे लगा सकेंगे। हम बात कर रहे हैं– टाटा कैपिटल के आईपीओ की। खबर है कि टाटा समूह अपनी फाइनेंस सर्विस यूनिट के लिए 11 अरब डॉलर की वैल्यूएशन रख सकता है। यह इस साल भारत की सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है।

क्या है डिटेल

सीएनबीसी टीवी 18 की रिपोर्ट के मुताबिक, टाटा समूह अपनी वित्तीय सेवा यूनिट के लिए 11 अरब डॉलर के मूल्यांकन की मांग कर रहा है, जो इस साल भारत की सबसे बड़ी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश हो सकती है। टाटा कैपिटल लिमिटेड का आईपीओ 2 अरब डॉलर तक जुटा सकता है। हालांकि, टाटा के प्रतिनिधियों ने इस पर कुछ कहने से इनकार कर दिया है। बता दें कि टाटा कैपिटल के बोर्ड ने पिछले हफ्ते मौजूदा शेयरधारकों द्वारा इक्विटी की बिक्री के प्रस्ताव के साथ–साथ 230 मिलियन शेयरों की लिस्टिंग को मंजूरी दी थी। इसने 15.04 बिलियन रुपये (172 मिलियन डॉलर) के राइट्स इश्यू की भी घोषणा की।

कंपनी का कारोबार– बता दें कि टाटा कैपिटल एक गैर–बैंक वित्तीय संस्थान है। ये तथाकथित बैंक आम तौर पर उन ग्राहकों को कर्ज जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं जिनकी पारंपरिक बैंकिंग तक सीमित या कोई पहुंच नहीं है। मुंबई स्थित टाटा कैपिटल की वेबसाइट के अनुसार, पूरे भारत में 900 से अधिक शाखाएं हैं।

अस्थिरता के बावजूद देश में नौ महीने में आया 27 फीसदी अधिक एफडीआई

अक्तूबर-दिसंबर में 5.6 फीसदी घटा

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले नौ महीने (अप्रैल-दिसंबर) में सालाना आधार पर 27 फीसदी बढ़कर 40.67 अरब डॉलर पहुंच गया। 2023-24 की समान अवधि में देश में 32 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्तूबर-दिसंबर) में सिर्फ 10.9 अरब डॉलर का एफडीआई आया। यह 2023-24 की समान अवधि के 11.55 अरब डॉलर की तुलना में 5.6 फीसदी कम है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के आंकड़ों के मुताबिक, 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एफडीआई करीब 43 फीसदी बढ़कर 13.6 अरब डॉलर रहा था। वहीं, अप्रैल-जून तिमाही में 47.8 फीसदी की वृद्धि रही थी और 16.17 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। कुल एफडीआई प्रवाह अप्रैल-दिसंबर में 21.3 फीसदी बढ़कर

62.48 अरब डॉलर पहुंच गया। इसमें शेयर बाजार में निवेश, पुनर्निवेशित आय व अन्य पूंजी शामिल है।

इन क्षेत्रों में वृद्धि

सेवाओं, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर-हार्डवेयर, व्यापार, दूरसंचार, वाहन और रसायन क्षेत्रों में अप्रैल-दिसंबर में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ा है। सेवा क्षेत्र में एफडीआई बढ़कर 7.22 अरब डॉलर और गैर-परंपरागत ऊर्जा क्षेत्र में 3.5 अरब डॉलर रहा।

महाराष्ट्र सबसे आगे

पहले नौ महीने में महाराष्ट्र में सबसे अधिक 16.65 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया। गुजरात 5.56 अरब डॉलर के साथ दूसरे और कर्नाटक 4.5 अरब डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

- **भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने फरवरी में जुटाई 1.65 अरब डॉलर की फंडिंग**– भारतीय स्टार्टअप कंपनियों ने फरवरी, 2025 में 1.65 अरब डॉलर (करीब14,418 करोड़ रुपये) की फंडिंग जुटाई है ।यह आंकड़ा जनवरी के 1.38 अरब डॉलर से 19.5 फीसदी अधिक है ।यह फंडिंग 8.32 करोड़ डॉलर के औसत मूल्यांकन पर मिली है ।ट्रैक्सन के मुताबिक, नई फंडिंग के साथ 2024–25 (अप्रैल–फरवरी) में 2,200 दौर में कुल वित्तपोषण 25.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। पिछले महीने जुटाई गईकुल राशि फरवरी, 2024 2.06 अरब डॉलर के आंकड़े से कम है। स्टार्टअप राजधानी बंगलूरू में उद्यमियों ने 35.3 करोड़ डॉलर की फंडिंग हासिल की है। औसतन एक दौर में 20 लाख डॉलर जुटाएगए। मुंबई के स्टार्टअप ने 10.2 करोड़ डॉलर वित्तपोषण हासिल किया। फिनटेक कंपनी ऑक्सीजो परंपरागत कर्ज मद में एक अरब डॉलर की फंडिंग जुटाकर इस मामले में सबसे आगे रही है।

नीति आयोग की नई रिपोर्ट: देश में तेजी से कर्ज ले रहीं महिलाएं

व्यावसायिक ऋण में 14 फीसदी बढ़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में महिलाएं कारोबारी और अन्य जरूरतों के लिए तेजी से कर्ज ले रही हैं। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित उत्तरी-मध्य राज्यों में पिछले पांच वर्षों में सक्रिय महिला उधारकर्ताओं की संख्या सालाना 22 फीसदी की चक्रवृद्धि दर से बढ़ी है। नीति आयोग की ओर से सोमवार को लॉन्च उधारकर्ताओं से बिल्डरों तक = भारत की वित्तीय विकास की कहानी में महिलाओं की भूमिका रिपोर्ट के मुताबिक, 2019 से 2024 तक व्यावसायिक ऋण में महिलाओं की हिस्सेदारी 14 फीसदी और गोल्ड लोन में 6 फीसदी बढ़ी है। दिसंबर, 2024 तक कुल व्यावसायिक उधारकर्ताओं में महिलाओं की हिस्सेदारी 35 फीसदी पहुंच गई। इनमें छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों की महिलाओं का हिस्सा 60 फीसदी रहा।

क्रेडिट स्कोर पर नजर रखने में छोटे शहरों की महिलाएं आगे

नीति आयोग के महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी), ट्रांस यूनियन सिबिल और माइक्रोसेव कंसल्टिंग की रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाएं अपने क्रेडिट स्कोर पर सक्रिय नजर रख रही हैं। खास बात है कि छोटे शहरों की महिलाएं मेट्रो शहरों की तुलना में अपने क्रेडिट की खुद सक्रिय निगरानी कर रही हैं। ऐसी महिलाओं की संख्या छोटे शहरों में 48 फीसदी और मेट्रो क्षेत्रों में 30 फीसदी बढ़ी है।

दिसंबर, 2024 तक 2.7 करोड़ महिलाएं अपने क्रेडिट की निगरानी कर रही थीं, जो सालाना आधार पर 42 फीसदी अधिक है। यह महिलाओं में बढ़ती वित्तीय जागरूकता का संकेत है। 2024 में महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना में अपने क्रेडिट स्कोर की सक्रिय निगरानी रखने वाली महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़कर 49 फीसदी पहुंच गई।

महिला उद्यमिता बढ़ाने से 17 करोड़ मिलेंगे रोजगार

नीति आयोग के प्रमुख आर्थिक सलाहकार और डब्ल्यूईपी के मिशन निदेशक अन्ना रॉय ने कहा, महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करना देश में कार्यबल में आने वाली महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने का तरीका है।

यह समान आर्थिक विकास को गति देने के लिए एक व्यवहार्य रणनीति के रूप में भी काम करता है। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने से 15 से 17 करोड़ लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं और श्रमबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ सकती है।

चुनौती...समान वित्तीय पहुंच के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने कहा, सरकार मानती है कि फंडिंग तक पहुंच महिला उद्यमिता के लिए बुनियादी जरूरत है। महिला उद्यमिता मंच एक समावेशी तंत्र बनाने की दिशा में काम कर रहा है, जो वित्तीय साक्षरता, कर्ज तक पहुंच, सलाह और बाजार संबंधों को बढ़ावा देता है। हालांकि, खराब बैंकिंग अनुभव, कर्ज मिलने में बाधाएं और गारंटर के साथ समस्याएं जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। समान वित्तीय पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है।

फिर महंगा हुआ सोना, भाव 1,300 रुपये चढ़ गए

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में व्यापार युद्ध या ट्रेड वार की चिंता के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ रहे हैं। जिससे सोने की मांग बढ़ी है। तभी तो सोना और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। सोना फिजिकल डिलीवरी जहां दो दिन में ही 1,300 रुपये प्रति 10 ग्राम महंगा हो गया है। वहीं चांदी भी कीमत भी प्रति किलो 1,650 रुपये बढ़ी है।

पिछले दो दिनों में ही सोने के भाव में प्रति 10 ग्राम 1,300 रुपये की तेजी आई है। दिल्ली में 22 कैरेट सोने का भाव 57,408 प्रति 8 ग्राम और 24 कैरेट सोने का भाव 61,240 प्रति 8 ग्राम है। हालांकि, आज स्ष्टङ्ग पर अप्रैल डिलीवरी सोने का भाव सुबह 10=30 बजे 85,513 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले दिन के भाव से 0.15 प्रतिशत या 129 कम था।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतें बढ़त के साथ बंद हुई थीं। सोने का अप्रैल वायदा भाव 1.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85,384 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ।

वहीं, चांदी का मई वायदा भाव 1.83 प्रतिशत की बढ़त के साथ 96,055 प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ।

क्यों बढ़ रही हैं कीमतें– पृथ्वी फिनमार्ट कमोडिटी रिसर्च के मनोज कुमार जैन ने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के बीच सप्ताहांत में हुई तनावपूर्ण बैठक और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच सोमवार को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी ने सुरक्षित निवेश की मांग के चलते अच्छी बढ़त दर्ज की। डॉलर इंडेक्स में लगभग 1.0 प्रतिशत की गिरावट आई जिससे सोने और चांदी की कीमतों को बल मिला। आज = डॉलर इंडेक्स, छ्व्रङ्घ, 106.58 के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा था, जिसमें 0.17 या 0.15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

भारत में मांग कम

हालांकि, ऊंची कीमतों के कारण भारत और चीन में सोने-चांदी की मांग कम हुई है, जो इन धातुओं की कीमतों में तेजी को सीमित कर सकती है। बाजार अमेरिकी राष्ट्रपति के भाषण पर भी नजर रखेगा, जिससे धातु बाजारों की दिशा तय होगी। जैन का मानना है कि डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव और अमेरिकी व्यापार युद्ध के बीच इस हफ्ते सोने और चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों में 5 प्रतिशत की उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को लेकर अच्छी खबर आई है। कंपनी के शेयरों में मंगलवार को तेज उछाल देखने को मिला है। इस उछाल के पीछे की वजह सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को मिला काम है। कंपनी को यह काम जिंदल ग्रीन विंड लिमिटेड को मिला है। वर्क ऑर्डर डीटेल्स के अनुसार कंपनी को 204.75 मेगावाट का काम मिला है। बता दें, जिंदल ग्रीन विंड लिमिटेड, जिंदल रिन्यूएबल्स की सब्सिडियरी कंपनी है। बीएसई में सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयर 48.90 रुपये के लेवल पर खुला था। इसके बाद 5 प्रतिशत की उछाल के बाद दिन में कंपनी के शेयर 51.48 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। मौजूदा समय में कंपनी के शेयर 51 रुपये के रेंज में ट्रेड कर रहे हैं।

उड़ीसा और छत्तीसगढ़ में मिले थे दो बड़े ऑर्डर– इससे पहले मिले दो बड़े भी कंपनी को जिंदल ग्रुप से ही मिले थे। कंपनी को यह काम छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में मिला था। यह काम कुल 702.45 मेगावाट का मिला है। कंपनी के पास अब कुल 5.9 गीगावाट का काम हो गया है।

शेयर बाजार में संघर्ष कर रहा था स्टॉक– बीते 6 महीने के दौरान सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में बहुत हलचल सी मची हुई है। 2025 में कंपनी के शेयरों का भाव 21 प्रतिशत से अधिक गिरा है। वहीं, 6 महीने के दौरान

सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में 31 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि, इस हलचल के बाद भी कंपनी के शेयरों की कीमतों में एक साल के दौरान 19 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है। वहीं, सेंसेक्स इंडेक्स इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 1.28 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली है।

भारत दुबई में कैसे खेलना चाहता है, इस बारे में पूरी तरह स्पष्ट है : केन विलियमसन

चैंपियंस ट्रॉफी

- **रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलने के तरीके के बारे में पूरी स्पष्टता है**

लाहौर, एजेंसी। न्यूजीलैंड द्वारा 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत के साथ अपनी भिड़ंत को पक्का करने के बाद, प्रीमियर बल्लेबाज केन विलियमसन ने कहा कि रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेलने के तरीके के बारे में पूरी स्पष्टता है, जो रविवार को खिताबी मुकाबले का स्थल है।

न्यूजीलैंड ने लाहौर में दक्षिण अफ्रीका को 50 रनों से हराया और रविवार को प्रतियोगिता में दूसरी बार भारत से भिड़ने के लिए दुबई की यात्रा बुक की। पिछली बार भारत और न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में 2000 में नैरोबी में भिड़े थे, जहां ब्लैककैप्स विजयी हुए थे।

"मुझे लगता है कि वहां कई मौकों पर खेलने के बाद; वे कैसे खेलना चाहते हैं, इस बारे में वास्तविक स्पष्टता है। यहां हमारे अवसर की तरह, इस स्थल पर कई बार खेलने के बाद और मुझे लगता है कि क्रिकेट में यह एक अभिन्न अंग है। विलियमसन ने गद्दाफी स्टेडियम में मैच के अंत में कहा, "इसलिए, यह ऐसा कुछ नहीं है जिस पर हम वास्तव में बहुत बारीकी से नजर रख रहे हैं। यह उस क्रिकेट के बारे में है जिसे हम खेलना चाहते हैं और निश्चित रूप से विपक्ष को ध्यान में रखते हैं, लेकिन फाइनल में अच्छा और समझदार होना चाहिए।"

पिछले हफ्ते दुबई में ग्रुप ए के मुकाबले में न्यूजीलैंड भारत से 44 रन से हार गया था, जिसमें विलियमसन ने 81 रन की शानदार पारी खेली थी, जिसका मतलब है कि उन्हें आयोजन स्थल की धीमी परिस्थितियों का अंदाजा है। "यह वैसा ही है (क्योंकि भारत दुबई में सभी मैच खेलता है)। हमारा ध्यान अगले मैच, उस मैच के स्थान, विपक्ष, ये सभी कारकों पर है। जाहिर है, हमने वहां एक बार भारत के साथ खेला था।

हमें दुबई की अनजान पिच से तालमेल बिठाना होगा: रचिन रविंद्र

लाहौर, एजेंसी। न्यूजीलैंड के आक्रामक सलामी बल्लेबाज रचिन रविंद्र का मानना है कि भारत के खिलाफ रविवार को होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के लिए उनकी टीम को दुबई की अनजान पिच से तालमेल बिठाना होगा। न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी में दुबई में केवल एक मैच भारत के खिलाफ खेला था और उसने अपने बाकी मैच पाकिस्तान में खेले। न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ त्रिकोणीय श्रृंखला के दो मैच लाहौर में खेले थे। दूसरी तरफ भारत ने अपने सभी मैच दुबई में खेले और वह वहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ है। रविंद्र ने कहा, "हम दुबई की पिच के बारे में बहुत अधिक नहीं जानते। हमने भारत के खिलाफ वहां एक मैच खेला और तब गेंद काफी टर्न ले रही जबकि एक अन्य मैच में हमने देखा कि गेंद बहुत अधिक टर्न नहीं कर रही थी। हमने परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाकर उसी की तरह अपना खेल खेला और रविवार को हमें फिर से ऐसा करना होगा।'

खेल मंत्री मांडविया 2028 ओलंपिक की तैयारी पर 'चिंतन शिविर' की अध्यक्षता करेंगे

2028 ओलंपिक

- **हाल ही में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में भारतीय एथलीटों की सफलता हमारी अपार क्षमता को उजागर करती है।**

हैदराबाद, एजेंसी। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया 7-8 मार्च को हैदराबाद में एक उच्च स्तरीय चिंतन शिविर की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक और 2036 ग्रीष्मकालीन खेलों की मेजबानी के लिए देश की बोली के लिए एक रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ वैश्विक खेल उत्कृष्टता के लिए भारत की यात्रा की रणनीति बनाई जाएगी।

कान्हा शांति वनम में आयोजित होने वाले दो दिवसीय विचार-मंथन सत्र में विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्री, वरिष्ठ खेल प्रशासक, प्रमुख सरकारी अधिकारी और डोमेन विशेषज्ञ विचारों का आदान-प्रदान करने और भारत के वैश्विक खेल महाशक्ति के रूप में उभरने के लिए एक रोडमैप तैयार करने के लिए एक साथ आएंगे।

विचार-विमर्श खेल प्रशासन को बढ़ाने, जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान, बुनियादी ढांचे के विकास, समावेशिता और सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगा।

भारत के खेल परिदृश्य को बेहतर बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की अगुआई कर रहे खेल मंत्री मांडविया भारत की ओलंपिक महत्वाकांक्षाओं और खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर हितधारकों के साथ रणनीतिक चर्चा करेंगे। चिंतन शिविर के दौरान राज्य प्रतिनिधि अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं और अभिनव मॉडल पेश करेंगे।

खेल मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, "चिंतन शिविर के प्रमुख फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं: भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का अवलोकन और राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ समन्वय, खेल विकास और कॉर्पोरेट्स के साथ खेल बुनियादी ढांचे की साझेदारी, प्रतिभा खोज और जमीनी स्तर की प्रतिभाओं का पोषण, खेलों में सुशासन को बढ़ावा देना, खेलो इंडिया और फिट इंडिया के विस्तार पर विचार-विमर्श, खेलों में समावेशिता को प्रोत्साहित करना और खिलाड़ियों और कोचों का कल्याण।"

सहयोगी और परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण के महत्व पर जोर देते हुए मांडविया ने कहा, "हाल ही में उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में भारतीय एथलीटों की सफलता हमारी अपार क्षमता को उजागर करती है। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है, जो ओलंपिक उत्कृष्टता हासिल करना और भारत को वैश्विक खेल शक्ति बनाना है। विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करके, हम एक संरचित और टिकाऊ खेल ढांचे को सुनिश्चित कर सकते हैं। ओलंपिक की मेजबानी एक राष्ट्रीय मिशन है, और हमें एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू पूर्व एथलीटों की विशेषज्ञता का लाभ उठाना होगा। खेल मंत्री ने राज्यों से शीर्ष खिलाड़ियों की पहचान करने का आग्रह किया है जो कोचिंग भूमिकाओं में बदलाव कर सकते हैं।

संक्षिप्त

सुपर कप फुटबॉल भुवनेश्वर में 21 अप्रैल से शुरू होगा

भुवनेश्वर, एजेंसी। फुटबॉल टूर्नामेंट सुपर कप 2025 ओडिशा के भुवनेश्वर में 21 अप्रैल से शुरू होगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की घोषणा के अनुसार नॉकआउट प्रारूप वाले टूर्नामेंट में 16 टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रतियोगिता में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 13 क्लब और आई-लीग के तीन क्लब शामिल होंगे। सुपर कप का पहली बार 2018 में आयोजन किया गया था। इसमें आईएसएल टीमों का दबदबा रहा है। वर्ष 2018 में बेंगलुरु एफसी ने इसका खिताब जीता। 2019 में एफसी गोवा ने फाइनल में चेन्नइयन एफसी को हराया। फिर कोविड-19 महामारी के कारण यह टूर्नामेंट 2020 और 2022 के बीच आयोजित नहीं किया गया लेकिन 2023 में ओडिशा एफसी ने बेंगलुरु एफसी को हराकर खिताब जीता था जबकि 2024 में ईस्ट बंगाल ने ट्रॉफी उठाई। इस तरह पिछले चार संस्करणों में आईएसएल क्लबों ने जीत दर्ज की है।

शकील, टाइम आउट होने वाले सातवें बल्लेबाज

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के सउद शकील प्रथम श्रेणी क्रिकेट में तय समय अवधि में क्रीज पर नहीं पहुंचने पर टाइम आउट करार दिए गए। वह ऐसे आउट होने वाले दुनिया के सातवें बल्ले बाज हैं। पाकिस्तान के प्रथम श्रेणी घरेलू टूर्नामेंट प्रेसीडेंट ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान की ओर से खेल रहे शकील दो गेंद पर दो विकेट गिरने के बाद तैयार नहीं होने के कारण निर्धारित समय के भीतर क्रीज पर नहीं पहुंचे। विपक्षी पीटीवी टीम के कप्तारन अमाद बट ने तीन मिनट में क्रीज पर नहीं पहुंचने पर आउट की अपील कर दी तो अंपायरों ने उन्हें टाइम आउट करार दिया। रमजान के कारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस टूर्नामेंट को रात में आयोजित कर रहा है।

महिला मुक्केबाजी राष्ट्रीय प्रतियोगिता 21 मार्च से होगी शुरु

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा के गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में 21 से 27 मार्च तक चलने वाली आठवीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप भारत की ओलंपिक तैयारी के लिए महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी। विश्व मुक्केबाजी और भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के प्रतियोगिता दिशानिर्देशों के तहत उत्तर प्रदेश मुक्केबाजी संघ के सहयोग से आयोजित होने वाली इस चैंपियनशिप में देश भर से करीब 300 शीर्ष महिला मुक्केबाज हिस्सा लेंगी। इस प्रतियोगिता में 01 जनवरी 1984 से 31 दिसंबर 2005 के बीच जन्मे मुक्केबाज प्रतिभाग ले सकते हैं मैच तीन राउंड के प्रारूप का पालन होगा। प्रत्येक राउंड तीन मिनट का होगा और एक मिनट का आराम अंतराल दिया जायेगा। इसमें 100 से अधिक कोच, सहायक कर्मचारी तथा 60 तकनीकी अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इस प्रतियोगिता में प्रत्येक राज्य अधिकतम 10 मुक्केबाजों को मैदान में उतार सकता है। नंबरों के आधार पर प्रवेश की अंतिम तिथि 10 मार्च है। प्रतियोगिता के लिए अंतिम नाम की पुष्टि 15 मार्च तक पूरी होगी।

ऑस्ट्रेलिया के महान टेनिस खिलाड़ी फ्रेड स्टोल का निधन

मेलबर्न, एजेंसी। दो बार के ग्रैंड स्लैम एकल विजेता और ऑस्ट्रेलिया की तीन बार डेविस कप जीतने वाली टीमों का हिस्सा रहे फ्रेड स्टोल का निधन हो गया है। टेनिस ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। वह 86 वर्ष के थे। टेनिस ऑस्ट्रेलिया के सीईओ क्रेग टिली ने स्टोल को टेनिस में एक खिलाड़ी के रूप में और बाद में ऑस्ट्रेलिया के नाइन नेटवर्क तथा सीबीएस और फॉक्स स्पोर्ट्स के लिए एक कमेंटेटर के रूप में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति बताया। टिली ने निधन का कारण नहीं बताया। टिली ने कहा, ''उनकी विरासत उत्कृष्टता, समर्पण और टेनिस के प्रति गहरा प्रेम है। ऑस्ट्रेलिया की डेविस कप टीम के स्टार सदस्य, फ्रेड ने एक कोच और चतुर टिप्पणीकार के रूप में अपने शानदार करियर से खेल में महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्टोल ने 1965 में फ्रेंच ओपन और 1966 में अमेरिकी ओपन का एकल खिताब जीता था। इसके बाद वह विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच गए थे। उन्होंने ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिताओं में 10 पुरुष युगल और सात मिश्रित युगल भी जीते।

सनराइजर्स हैदराबाद ने चोटिल कार्स की जगह मुल्डलर को टीम में किया शामिल

हैदराबाद, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के वियान मुल्डर ने इंडियन प्रीमियर लीग के लिए गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद की टीम में ब्राइडन कार्स की जगह ली। इंग्लैंड के ऑलराउंडर कार्स पैर के अंगूठे में चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए हैं। बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियन्स ट्रॉफी सेमीफाइनल में खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के 27 वर्षीय ऑलराउंडर मुल्डर को 2016 के विजेता और पिछले साल के उप विजेता सनराइजर्स ने 75 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा है।

दक्षिण अफ्रीका अभी भी एक टीम के रूप में विकसित हो रहा है : कोच वाल्टर

लाहौर, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने जोर देकर कहा है कि गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड से 2025 चैंपियंस ट्रॉफी सेमीफाइनल में 50 रन से हारने के बावजूद उनकी टीम अभी भी एक टीम के रूप में विकसित हो रही है।

दक्षिण अफ्रीका को कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर 362/6 बनाया। जवाब में, प्रोटियाज अपने 50 ओवरों में 312/9 रन बना सके, जिसमें डेवी मिलर ने 67 गेंदों में नाबाद शतक बनाया।

"हमारे पास बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान देने वाले खिलाड़ी थे। गेंदबाजी के दृष्टिकोण से, मुझे लगता है कि हमारा सबसे बड़ा विकास हमारी सटीकता थी, और यह कुछ ऐसा है जिस पर हम वास्तव में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हम जो भी मैच खेलते हैं, वह सीखने का अवसर होता है और हम बस थोड़ा-बहुत सबक लेने की कोशिश करते रहते हैं। वाल्टर ने मैच के बाद कहा, "यह एक कठिन सबक था। आप इसे थोड़ा और महसूस करते हैं क्योंकि यह एक अभियान का अंत है, लेकिन हम निश्चित रूप से सीखते रहते हैं। हम अभी भी एक टीम के रूप में विकसित हो रहे हैं। मेरे मन में कोई संदेह नहीं है। हम 2027 विश्व कप के लिए ढाई साल दूर हैं और इसी पुरस्कार पर नजर है। उन्होंने यह भी महसूस किया कि दोनों पारियों की बल्लेबाजी पारी के मध्य ओवर मैच में अंतर साबित हुए, क्योंकि शतकवीर रचिन रवींद्र और केन विलियमसन के बीच दूसरे विकेट के लिए 164 रनों की साझेदारी के कारण न्यूजीलैंड आगे निकल गया।

सचिन के स्ट्रेट ड्राइव ने मुझे 15 साल पीछे पहुंचा दिया: वॉटसन

आईएमएल

- **तेंदुलकर ने महज 33 गेंदों पर 64 रन की तेज पारी खेली, जिसमें सात चौके और चार शानदार छक्के शामिल थे।**

वडोदरा, एजेंसी। खचाखच भरे बीसीए स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर की शानदार मास्टरक्लास देखने को मिली, जब इस महान बल्लेबाज ने इंडिया मास्टर्स और ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स के बीच खेले गए हाई-स्कोरिंग इंटरनेशनल मास्टर्स लीग (आईएमएल) 2025 के मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए समय को पीछे मोड़ दिया।

तेंदुलकर ने महज 33 गेंदों पर 64 रन की तेज पारी खेली, जिसमें सात चौके और चार शानदार छक्के शामिल थे। उनकी पारी का मुख्य आकर्षण तेज गेंदबाज बेन हिल्फेनहॉस की गेंद पर लगाया गया शानदार स्ट्रेट छक्का था, जिसमें उन्होंने बेखौफ होकर ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण का सामना किया।

इस शॉट ने न केवल प्रशंसकों को रोमांचित किया, बल्कि विपक्षी कप्तान शेन वॉटसन को भी पुरानी यादें ताजा करा दीं, क्योंकि बाद में उन्होंने इसे 'रात का शॉट' करार दिया। तेंदुलकर के पुराने शॉट्स पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने कहा कि भारत के महान बल्लेबाज का स्ट्रेट ड्राइव देखना एक शानदार अनुभव था, और यह उन्हें 15 साल पीछे ले गया।

"हमने मैच जीत लिया, लेकिन मुझे लगता है कि सचिन ने रात का सबसे बेहतरीन शॉट खेला। वह स्ट्रेट ड्राइव मुझे तुरंत 15 साल पीछे ले गया। जिस तरह से उसने स्ट्रेट ड्राइव से छक्का मारा, मुझे लगता है कि सभी लड़के चुपचाप तालियां बजा रहे थे। दो बेहतरीन शॉट थे: स्ट्रेट ड्राइव से छक्का और फिर कवर ड्राइव से छक्का।

वॉटसन ने मैच के बाद कहा, "आप देख सकते हैं कि सचिन इस शॉट से कितने खुश थे – उन्होंने तुरंत अपना सिर नीचे कर लिया जैसे कह रहे हों, 'मैं काफी समय से यह शॉट खेलना चाहता था'। वहां खेलना वाकई एक शानदार अनुभव था।"

आईएमएल का चल रहा पहला सीजन प्रशंसकों को क्रिकेट के कुछ महान खिलाड़ियों को फिर से खेलते हुए देखने का एक शानदार अवसर प्रदान कर रहा है। फाइनल 16 मार्च को रायपुर में होने वाला है।

न्यूजीलैंड ने प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन बनाए: बावुमा

लाहौर, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका का आईसीसी टूर्नामेंट में अभियान एक बार फिर नॉकआउट दौर में खत्म होने के बाद कप्तान तेंबा बावुमा ने स्वीकार किया कि सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड ने प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन बनाए और उन्हें पर्याप्त साझेदारियां नहीं करने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

न्यूजीलैंड के 363 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मिचेल सेंटनर (43 रन पर तीन विकेट) और ग्लेन फिलिप्स (27 रन पर दो विकेट) की बलखाती गेंदों के सामने दक्षिण अफ्रीका की टीम डेविड मिलर (100 रन, 67 गेंद, 10 चौके, चार छक्के) के शतक और रेसी वान डेर डुसेन (69) तथा बावुमा (56) के अर्धशतक के बावजूद नौ विकेट पर 312 रन ही बना सकी। वान डेर डुसेन और बावुमा ने दूसरे विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी भी की।

न्यूजीलैंड ने इससे पहले रविंद्र (108 रन, 101 गेंद, 13 चौके, एक छक्का) और विलियमसन (102 रन, 94 गेंद, 10 चौके, दो छक्के) के शतक और दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 164 रन की साझेदारी से छह विकेट पर 362 रन बनाए जो टूर्नामेंट के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर है। ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 49, 27 गेंद) और डेरिल मिचेल (49 रन, 37 गेंद) ने अंत में पांचवें विकेट के लिए 30 गेंद में 57 रन जोड़कर टीम का स्कोर 350 रन के पार पहुंचाया।

बावुमा ने मैच के बाद कहा, ''न्यूजीलैंड ने प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन बनाए। मुझे लगता है कि विकेट के बेहतर होने के साथ हमने 350 रन का पीछा करने के लिए खुद को तैयार किया। हमने एक या दो अच्छी साझेदारियां कीं लेकिन वे पर्याप्त नहीं थीं। उन्होंने कहा, ''मुझे या रेसी वान डेर डुसेन में से एक को बड़ा स्कोर बनाना चाहिए था जो नहीं हो सका। न्यूजीलैंड ने हमें शुरू से ही दबाव में रखा। उन्होंने नियमित रूप से ऑफ साइड को भेदा और बीच के ओवरों में बाउंड्री लगाते रहे। डेथ ओवरों में विकेट हाथ में होने के कारण उन्हें रोकना मुश्किल था और हम दबाव में आ गए। शतक जड़ने के लिए मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रविंद्र टीम की जीत में योगदान देकर काफी खुश हैं। रविंद्र ने कहा, ''सेमीफाइनल में बेहतरीन जीत में योगदान देना शानदार अहसास है। मैं उतनी अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया जितनी मैं चाहता था। दक्षिण अफ्रीका ने अच्छी गेंदबाजी की लेकिन एक बार जब हम लय में आ गए तो केन (विलियमसन) और (विल) यंग के साथ साझेदारी बनाना अच्छा रहा।''

पोंटिंग की बल्लेबाजी और उनके पुल शॉट से प्रेरित हुआ : पायला अविनाश

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के ऑलराउंडर पायला अविनाश ने याद किया कि कैसे वह यूट्यूब पर रिकी पोंटिंग के बल्लेबाजी वीडियो देखकर प्रेरित होते थे, खासकर उनके ट्रेडमार्क पुल शॉट से, क्योंकि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में पंजाब किंग्स के लिए पोंटिंग की कोचिंग में खेलने के लिए तैयार हैं।

अविनाश ने गुरुवार को फ्रेंचाइजी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा, "वह एक लीजेंड हैं। मैं रिकी पोंटिंग के बल्लेबाजी वीडियो देखता था, जिसमें वह पुल शॉट खेलते थे जिनसे प्रेरणा मिल सके। उन्होंने अपने करियर में कुछ बेहतरीन पारियां खेली हैं और मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।"

विशाखापत्तनम शहर से आने वाले अविनाश ने 13 साल की छोटी उम्र में क्रिकेट का बल्ला उठाया और अपने भाई से प्रेरणा लेकर इस खेल को गंभीरता से लिया। उन्होंने कहा, "मेरे भाई ने पहले क्रिकेट खेलना शुरू किया और उसे देखकर मैंने भी खेलना शुरू कर दिया। वह अंडर-19 और अंडर-23 आंध्र प्रदेश की टीमों में खेलता था और वह मेरी प्रेरणा बन गया। उसे हर दिन कड़ी मेहनत करते देखकर मुझे भी ऐसा करने की प्रेरणा मिली।"

पिछले साल आंध्र प्रदेश में आयोजित एक स्थानीय टी20 टूर्नामेंट में अविनाश ने अपनी टीम के 226 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए 11 छक्के लगाए थे। उन्होंने याद किया, "यह एक खास पारी थी क्योंकि हम मुश्किल स्थिति में थे। लगभग 230 रनों का पीछा

गोल्फ टूर्नामेंट

गोल्फ टूर्नामेंट हीरो इंडियन ओपन का 2025 संस्करण 27-30 मार्च तक आयोजित किये जाने की घोषणा की गई

डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में 27 मार्च से होगा हीरो इंडियन ओपन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का बहुप्रतिष्ठित गोल्फ टूर्नामेंट हीरो इंडियन ओपन का 2025 संस्करण 27-30 मार्च तक गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में आयोजित किये जाने की गुरूवार को घोषणा की गई।

इस गौरवपूर्ण गोल्फ टूर्नामेंट में शीर्ष खिलाड़ी भाग लेंगे, जिसमें 2024 और 2025 के शेड्यूल के सबसे प्रमुख सितारे और चैंपियन शामिल हैं। उल्लेखनीय नामों में जैक्स क्रुइसविज्क, जोहान्स वीरमैन, जूलियन ग्यूरियर, एंजेल हिडाल्गो, फ्रेडरिक लैक्रोइक्स, डेविड रेवेटो, इवेन फर्ग्यूसन और गुइडो मिग्लिओजी शामिल हैं।

2.25 मिलियन अमेरिकी डॉलर का हीरो इंडियन ओपन डीपी वर्ल्ड टूर के एशियाई स्विंग का हिस्सा है, जिसमें सिंगापुर क्लासिक, चाइना ओपन और हैनान क्लासिक भी शामिल हैं। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) द्वारा सह-स्वीकृत, हीरो इंडियन ओपन में जीत भारतीय गोल्फरों को डीपी वर्ल्ड टूर पर अगले वर्ष के लिए पूर्ण कार्ड प्राप्त करने का अवसर प्रदान करती है। पिछले साल इंडियन ओपन में उपविजेता रहे वीर अहलावत ने अंततः प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) 2024 का ऑर्डर ऑफ मेरिट जीता और अब इस सीजन में डीपी वर्ल्ड टूर में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

जापान के 24 वर्षीय गत विजेता कीता नाकाजिमा इस टूर्नामेंट में नेतृत्व करेंगे, जिसने उन्हें वैश्विक गोल्फ में एक बेहतरीन खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया। नाकाजिमा के साथ एक और पिछले विजेता जर्मनी के मार्सेल सिएम भी होंगे, जिन्होंने 2023 संस्करण में 10 साल के अपने खिताबी इंतजार को समाप्त किया। हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी उपाध्यक्ष संजय भान ने कहा: "हीरो इंडियन ओपन सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं है; यह भारतीय गोल्फ के विकास और वैश्विक मंच पर इसकी बढ़ती प्रमुखता का प्रमाण है। हीरो इंडियन ओपन 2025 की घोषणा के साथ, हमें भारत के राष्ट्रीय ओपन के साथ अपनी दो दशक लंबी साझेदारी का विस्तार करने पर गर्व है। यह टूर्नामेंट यहां की गोल्फ विरासत की आधारशिला है, और हम अपने समृद्ध इतिहास को आगे बढ़ाते हुए, एक बार फिर भारतीय धरती पर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गोल्फरों को प्रदर्शित करते हुए उत्साहित हैं। हमारा लक्ष्य अगली पीढ़ी को प्रेरित करना, खेल भावना को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करना और दुनिया भर के युवाओं के लिए अवसर पैदा करना है।"

डीपी वर्ल्ड टूर पर दो बार के विजेता शुभंकर शर्मा एवं वीर अहलावत, जिन्होंने इस सीजन में पीजीटीआई 2024 ऑर्डर ऑफ मेरिट में शीर्ष स्थान हासिल करके डीपीडब्ल्यूटी में अपना रास्ता अर्जित किया, इस आयोजन में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। वीर पिछले साल हीरो इंडियन ओपन में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे थे और टूर्नामेंट के पिछले दो संस्करणों (संयुक्त-2 और संयुक्त-13) में शीर्ष भारतीय रहे हैं। इस जोड़ी में शामिल होंगे स्थानीय मनु गंडास, जिन्होंने 2023 में डीपी वर्ल्ड टूर में खेला था। शीर्ष सितारों में एक और आकर्षण भारत के उभरते सितारे कार्तिक सिंह हैं, जो अपने पिछले तीन अंतरराष्ट्रीय आयोजनों (दक्षिण अफ्रीका में दो बार और ऑस्ट्रेलिया में एक बार) में शीर्ष-10 में रहकर शानदार फॉर्म में हैं। भारतीय गोल्फ संघ द्वारा आयोजित अखिल भारतीय जूनियर चैंपियनशिप के मौजूदा चैंपियन कार्तिक ने पिछले साल सिंगापुर जूनियर जीता और पिछले साल जूनियर प्रेसिडेंट कप और इस साल बोनलैक ट्रॉफी में अंतर्राष्ट्रीय टीम में भी खेला।

भूमि पेडनेकर ने सिनेमाई सफर में निभाए गए किरदार पर की बात

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर, जिन्हें 'मेरे हसबैंड की बीवी' के लिए काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने हाल ही में एक अभिनेत्री के रूप में फिल्म उद्योग में 10 साल पूरे किए हैं। अपनी इस उपलब्धि के बाद, अभिनेत्री ने अपने सफर में विभिन्न किरदारों को निभाने के बारे में बात की और बताया कि इसने उनके करियर को कैसे आकार दिया है। 'दम लगा के हईशा' में अपने यादगार डेब्यू से लेकर अपनी हालिया भूमिकाओं तक भूमि अपनी पीढ़ी की सबसे बहुमुखी और प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक के रूप में उभरी हैं।

अपनी यात्रा पर भूमि ने कहा, मेरी यात्रा दम लगा के हईशा से शुरू हुई और तब से हर दिन मुझे याद दिलाता है कि मैं कितनी दूर आ गई हूं। इन 10 वर्षों ने मुझे जुनून और खुद पर विश्वास करने की शक्ति सिखाई है। उन्होंने आगे बताया, मुझे कुछ वाकई विविध किरदार निभाने का सौभाग्य मिला है, मेरी पहली फिल्म में एक अधिक वजन वाली दुल्हन, बधाई दो में एक विचित्र किरदार, भक्षक में न्याय के लिए लड़ने वाली एक पत्रकार, सांड की आंख में उम्र के मानदंडों को चुनौती देने वाली एक अस्सी वर्षीय महिला, बाला में रंग के आधार पर भेदभाव करने का सामना करने वाली एक महिला और थैंक यू फॉर कमिंग में अपनी स्वतंत्रता को अपनाने वाली एक महिला।

अभिनेत्री ने विभिन्न विधाओं में विभिन्न प्रकार की भूमिकाएं निभाई हैं। उनके करियर को असाधारण प्रदर्शन को फैंस ने सराहा भी है। जिससे वह बॉलीवुड की सबसे सम्मानित अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं। भूमि इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न मनाती हैं, साथ ही वह सीखे गए सबक और अपने करियर को आकार देने वाले अवसरों पर भी विचार करती हैं। कहा जाता है कि अभिनेत्री के पास पाइपलाइन में कई रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, क्योंकि वह ऐसी भूमिकाएं निभाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो यथास्थिति को चुनौती देती हैं और समकालीन मुद्दों पर नए दृष्टिकोण पेश करती हैं। हाल ही में भूमि ने अपने 10 साल पूरे होने पर मुंबई में एक खास केक-कटिंग सेरेमनी रखी। महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में मीडिया और उनके प्रशंसक शामिल हुए। अभिनेत्री ने ब्लैक पैंट और स्टाइलिश लॉन्ग स्लीव शर्ट पहनी हुई थी।

तमन्ना ने क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी में शामिल होने पर तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने उन रिपोर्टों पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है, जिनमें कहा गया है कि उन्हें 2.4 करोड़ रुपये के क्रिप्टोकरेंसी धोखाधड़ी मामले में पुडुचेरी पुलिस द्वारा तलब किया जा सकता है। दावों को फर्जी और भ्रामक बताते हुए अभिनेत्री ने आश्वासन दिया कि वह ऐसी झूठी रिपोर्टों के खिलाफ कार्रवाई करेंगी।

क्या है पूरा मामला

28 फरवरी को कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि तमन्ना और अभिनेत्री काजल अग्रवाल से कथित क्रिप्टोकरेंसी स्कीम के संबंध में पूछताछ की जा सकती है। हालांकि, अधिकारियों की ओर से उनकी संलिप्तता के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

आरोपों पर बोलीं तमन्ना

तमन्ना ने साक्षात्कार में इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, यह मेरे ध्यान में आया है कि मेरे क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े होने और उससे जुड़े होने का आरोप लगाते हुए अफवाहें फैलाई जा रही हैं। मैं मीडिया में अपने दोस्तों से अनुरोध करना चाहूंगी कि वे ऐसी कोई भी फर्जी, भ्रामक और झूठी रिपोर्ट और अफवाहें न फैलाएं। उन्होंने कहा, इस बीच मेरी टीम उचित कार्रवाई शुरू करने के लिए इस पर विचार कर रही है।

ऐसे शुरू हुआ विवाद

दरअसल, पुडुचेरी के मूलकुलम के पूर्व सैनिक अशोकन ने कोयंबटूर स्थित एक फर्म के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जिसकी स्थापना 2022 में हुई थी। अपनी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि क्रिप्टोकरेंसी निवेश योजना में उनके साथ धोखाधड़ी की गई। अशोकन ने दावा किया कि उन्होंने 1 करोड़ रुपये का निवेश किया और अपने 10 दोस्तों को कुल 2.4 करोड़ रुपये निवेश करने के लिए राजी किया।

काजल की प्रतिक्रिया का इंतजार

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि वह कंपनी के लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए थे, जहां तमन्ना मौजूद थीं और बाद में महाबलीपुरम में एक अन्य समारोह में शामिल हुए, जहां काजल मुख्य अतिथि थीं। कहा गया था कि इस कार्यक्रम में 100 से अधिक निवेशकों को 10 लाख से 1 करोड़ रुपये की लग्जरी कारें उपहार में दी गईं। पुलिस अधिकारियों ने कथित तौर पर काजल और तमन्ना से स्पष्टीकरण मांगा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वे केवल कंपनी के कार्यक्रमों का प्रचार कर रही थीं या उनकी कोई वित्तीय भागीदारी भी थी। काजल ने अभी तक इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

सैफ मामले से आलिया ने लिया सबक!

अभिनेत्री आलिया भट्ट ने अपनी बेटी राहा कपूर की तस्वीरें सोशल मीडिया से हटा ली हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम से बेटी की सभी तस्वीरें डिलीट कर दी हैं। अब फैंस राहा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर नहीं देख पाएंगे, सिवाय उन तस्वीरों के जिनमें उनका चेहरा नहीं नजर आ रहा है। अभिनेत्री के इस फैसले पर उनके फैंस भी उनके साथ हैं। अभिनेत्री के इंस्टाग्राम प्रोफाइल को अब स्क्रॉल करने पर राहा की तस्वीरें नहीं दिख रही हैं। यहां तक कि जामनगर या परिवार की पेरिस टूर से पोस्ट की गई तस्वीरें भी हटा दी गई हैं। राहा-आलिया के नए साल के दिन के फोटो एलबम में दिखाई देती हैं, लेकिन उनका चेहरा नहीं दिखाई देता। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री के इस फैसले का उनके फैंस समर्थन कर रहे हैं। रेडिट पर फैंस ने इसका समर्थन किया।

सैफ पर हुए हमले से जोड़ रहे लोग

एक यूजर ने आश्चर्य जताया कि इसका क्या कारण हो सकता है? उसने लिखा, सैफ-जेह की घटना ने उन्हें प्रभावित किया है। उन्होंने पैपराजी को भी मना किया कि वह अब से राहा की तस्वीरें न लें। उनके लिए अच्छा है। हालांकि, यह सिर्फ अटकलें हैं, जो सोशल मीडिया यूजर्स लगा रहे हैं। इसकी असल वजह अभी तक सामने नहीं आई है।

मुनमुन दत्ता ने रिजेक्ट किया सेलिब्रिटी मास्टरशेफ, क्या रही वजह

इन दिनों एक कुकिंग रियालिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' में कई टीवी सेलिब्रिटी नजर आ रहे हैं। इस शो में वह अपनी कुकिंग स्किल्स को दिखा रहे हैं। इसी शो के लिए सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की पॉपुलर एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता को भी अप्रोच किया गया था। लेकिन वह 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' का हिस्सा नहीं बन पाईं।

रियालिटी शो का हिस्सा इसलिए नहीं बन पाई

शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' से जुड़े एक सोर्स का कहना है कि मुनमुन दत्ता को भी शो ऑफर हुआ था। वह एक अच्छी कुक हैं, साथ ही काफी पॉपुलर भी हैं। ऐसे में शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ' के लिए परफेक्ट थीं। लेकिन उनके अपने शो कॉमेडी शो को लेकर कुछ कमिटमेंट्स थे, जिसके कारण उन्हें कुकिंग रियालिटी शो को ना कहना पड़ा। इन दिनों सेलिब्रिटी मास्टरशेफ में तेजस्वी, गौरव खन्ना, निक्की तंबोली जैसे टीवी सेलिब्रिटी नजर आ रहे हैं।

कॉमेडी शो में कई सालों से एक्टिव

सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' का हिस्सा मुनमुन दत्ता काफी लंबे समय से हैं। वह इसमें बबीता जी नाम का किरदार निभाती हैं, जिसका पति एक साइंटिस्ट है। शो में कॉमेडी के साथ समय-समय पर सोशल मैसेज भी दिए जाते हैं। इस शो की वजह से मुनमुन को काफी पॉपुलैरिटी मिली है।

फिल्मों का भी हिस्सा बनीं

मुनमुन ने सीरियल्स के अलावा फिल्मों में भी काम किया है। वह मुंबई एक्सप्रेस और हॉली डे जैसी फिल्मों का हिस्सा रही हैं। साथ ही 'बिग बॉस 15' में बतौर प्रतियोगी भी शामिल हो चुकी हैं। इन दिनों भी वह 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में नजर आ रही हैं।

'डिप्लोमैट' की रिलीज से पहले जॉन ने मांगी माफी

फिल्म अभिनेता जॉन अब्राहम को अपनी फिल्मों के ट्रेलर रिलीज या दूसरे सार्वजनिक कार्यक्रमों में जाना अच्छा नहीं लगता। अपनी नई फिल्म 'द डिप्लोमैट' के लिए भी वह पत्रकारों से अलग-अलग ही मिल रहे हैं, फिल्म के निर्देशक शिवम नायर के साथ इस फिल्म की खासियतों के बारे में भी बता रहे हैं। 'अमर उजाला' से बातचीत के दौरान उन्होंने इस फिल्म के अलावा बीते साल रिलीज हुई फिल्म 'वेदा' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में हुए हादसे के बारे में भी बात की और पहली बार कैमरे के सामने माना कि इसमें गलती उनकी ही थी।

पहली बार शिवम नायर से मिले

पाकिस्तान में तैनात रहे भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी जे पी सिंह के जीवन पर बनी फिल्म 'द डिप्लोमैट' की शूटिंग बीते साल ही खत्म हो गई थी। लेकिन, जॉन बताते हैं, फिल्म के निर्देशक शिवम नायर को हर सीन को करीने से एडिट करने और उसमें कहीं भी कोई खामी न रहने देने का जुनून सा रहता है। वह फिल्म को शूट करने के बाद एडिट टेबल पर भी काफी करीने से संवारते हैं और उनके इसी जुनून को देखकर मुझे उनके साथ काम करना बहुत अच्छा लगा। इस फिल्म के लिए ही मैं और शिवम पहली बार मिले।

गलतियों से सीखना ही बड़े होने की निशानी

ये पूछे जाने पर कि पचास साल की उम्र पार होने के बाद अमूमन इंसान का गुस्सा कम होने लगता है, तो क्या जॉन भी अपने भीतर ये बदलाव महसूस करते हैं। जॉन कहते हैं, हां, मैं अब उतना गुस्सा नहीं करता। अपनी बात कहने में मैं अब भी पीछे नहीं रहता, लेकिन अब मैं अपने उत्तरों को डिप्लोमैटिक तरीके से पेश करना सीख गया हूं। पहले मैं जो कुछ भी मन में आता था, कह देता था, लेकिन मुझे लगता है गलतियों से सबक लेना ही किसी इंसान के प्रौढ़ होने की निशानी है।

मैं अपनी गलती के लिए क्षमा मांगता हूं!

और, ऐसी ही गलती उनसे बीते साल फिल्म 'वेदा' के ट्रेलर रिलीज कार्यक्रम में एक पत्रकार के सवाल के जवाब में अपशब्द कहने की हुई? जॉन शायद इस सवाल के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन, बात की संजीदगी को समझते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि हां उनसे गलती हुई। जॉन कहते हैं, मुझे इस तरह से अपनी प्रतिक्रिया नहीं देनी चाहिए थी। वह 'बेचारा' तो अपना काम ही कर रहा था। मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ और मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। मैं आमतौर पर ऐसे कार्यक्रमों में जाना टालता ही हूं। तब भी मैंने कहा था कि मुझे मत बुलाओ, अब देखिए ना, मैंने खुद ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली थी। फिल्म 'द डिप्लोमैट' 14 मार्च को रिलीज हो रही है।

रिलीज से पहले कुबेर को मिला ओटीटी पार्टनर, थिएटर के बाद अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी धनुष की फिल्म

हाल ही में धनुष की फिल्म कुबेर की रिलीज डेट से पर्दा उठा था। 27 फरवरी को आधिकारिक तौर पर यह खुलासा किया गया कि शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित कुबेर 20 जून 2025 को कई भारतीय भाषाओं में रिलीज होगी। इस फिल्म में धनुष के साथ रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। अब इस फिल्म के ओटोटी पार्टनर से पर्दा उठ गया है।

कुबेर को मिला ओटीटी पार्टनर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिलीज की तारीख की घोषणा करने के बाद कुबेर ने निर्माताओं ने अमेजन प्राइम वीडियो के साथ फिल्म की ओटीटी साझेदारी कर ली है। स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने भारी कीमत पर सभी भाषाओं में कुबेर के डिजिटल अधिकार हासिल कर लिए हैं।

फिल्म की स्टार कास्ट

फिल्म में धनुष और रश्मिका मंदाना के अलावा जिम सर्भ और अक्किनेनी नागार्जुन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कुबेर को श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा समर्थित किया गया है। देवी श्री प्रसाद ने फिल्म का संगीत तैयार किया है। कुबेर धारावी की पृष्ठभूमि पर आधारित है और यह एक व्यक्ति के गरीबी से अमीरी तक के विकास की कहानी दर्शाती है। सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले कुबेर को बनाया जा रहा है। वहीं देवी श्री प्रसाद फिल्म का संगीत दिया है।

एक्स पर दी रिलीज डेट की जानकारी

फिल्म कुबेर के निर्माताओं ने एक्स पर फिल्म के एक पोस्टर के साथ शेयर की रिलीज की तारीख। इस पोस्टर में धनुष और नागार्जुन नजर आ रहे हैं। साथ ही इस पोस्टर के साथ लिखा, शक्ति की कहानी, धन के लिए लड़ाई, भाग्य का खेल। शेखर कम्मुला कुबेर 20 जून, 2025 से एक आकर्षक अनुभव देने के लिए तैयार है।

आज टाइगर श्रॉफ बेंचमार्क हैं; आप कैसे सर्वाइव करेंगे बॉलीवुड में?

जॉनी गद्दार में अपने डेब्यू के अठारह साल बाद, नील नितिन मुकेश बॉलीवुड के विकास पर चर्चा करते हैं कि बॉलीवुड कैसे विकसित हुआ है, और इस बात पर जोर देते हैं कि इंडस्ट्री आज अपने अभिनेताओं से कहीं अधिक की उम्मीद करता है। बदलते परिदृश्य पर चर्चा करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे टाइगर श्रॉफ ने फिटनेस और एक्शन में एक नया मानक स्थापित किया है, उन्होंने कहा, बेंचमार्क टाइगर श्रॉफ हैं- तो आप कैसे सर्वाइव करेंगे? बॉलीवुड के सबसे युवा एक्शन सुपरस्टार के रूप में जाने जाने वाले टाइगर श्रॉफ ने अपने हाई-ऑक्टेन प्रदर्शन, बेजोड़ चुस्ती और हैरतअंगेज़ एक्शन सीक्वेंस के साथ स्टारडम को फिर से परिभाषित किया है। चुनौती देने वाले स्टंट से लेकर मार्शल आर्ट को डांस के साथ सहजता से मिश्रित करने तक, टाइगर ने सभी पीढ़ियों के अभिनेताओं के लिए मानक बढ़ा दिए हैं। नील ने आगे इस बात पर जोर दिया कि कैसे इंडस्ट्री अब अभिनेताओं से सिर्फ कलाकार ही नहीं, बल्कि एक्शन हीरो, डांसर और फिटनेस आइकन भी बनने की उम्मीद करता है - एक ऐसा डोमेन जहां टाइगर आसानी से छाए हुए है। वर्तमान में, टाइगर श्रॉफ अपनी ब्लॉकबस्टर एक्शन फ्रेंचाइजी की अगले भाग बागी 4 की शूटिंग कर रहे हैं। 5 सितंबर 2025 को रिलीज होने वाली इस फिल्म के साथ, उम्मीदें आसमान पर हैं क्योंकि प्रशंसक उत्सुकता से एक और एड्रेनालाईन-पैक ड्रामा का इंतजार कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401